Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार
मूर्तियां एवं समस्त
पूजन सामग्री
संगमरमर व पीतल की
मूर्तियां राशि रत्न
एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...
रायपुर, दुर्ग एवं जगदलपुर से प्रकाशित
समय दर्शन
ESTD : Since 2011
संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर
निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में
सुप्रसिद्ध
ज्योतिषाचार्य
मां दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, मां कामख्या, मां भद्रकाली, मां शारदा की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय
सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के
सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 140 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये
दुर्ग, सोमवार 13 अप्रैल 2026
www.samaydarshan.in

पहला कॉलम

पलक झपकते ही पानी में समा गईं 3 लड़कियां

आल्लूरी। आंध्र प्रदेश के आल्लूरी सीतारामाराजू जिले से एक बेहद दर्दनाक और रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है। त्योहार की छुट्टियों का जश्न उस वक्त मातम में बदल गया, जब मुल्लुंगुम्मी वाटरफॉल पर मौज-मस्ती करने गईं तीन किशोरियों की डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि यह खौफनाक हादसा महज एक सेल्फी लेने के चक्कर में हुआ। इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि सोशल मीडिया पर अच्छी तस्वीरों और रोमांच की चाहत कैसे पल भर में हंसती-खेलती जिंदगियां छीन सकती है। जानकारी के मुताबिक, यह दिल दहला देने वाला हादसा हुकुमपेटा मंडल के बुरजा पंचायत के पास स्थित मुल्लुंगुम्मी वाटरफॉल पर हुआ। जांबावलासा गांव की रहने वाली पांच लड़कियां त्योहार की छुट्टियों के दौरान इस वाटरफॉल पर घूमने आई थीं। पुलिस के मुताबिक, ये लड़कियां वाटरफॉल के पास खड़ी होकर तस्वीरें और सेल्फी वीडियो ले रही थीं।

भारत फ्रांस से खरीदेगा 114 नए राफेल

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना की ताकत में जल्द ही एक बड़ा इजाफा होने जा रहा है। भारत फ्रांस से 114 नए राफेल लड़ाकू विमान खरीदने की महा-योजना पर तेजी से काम कर रहा है। लेकिन इस बार यह डील सामान्य नहीं होगी। भारत ने इस 3.25 लाख करोड़ रुपये के रक्षा सौदे में एक ऐसी कड़ी शर्त जोड़ दी है, जिसने दुश्मनों की नींद उड़ा दी है। सरकार ने साफ कर दिया है कि इन नए राफेल विमानों में भारत में बनी स्वदेशी मिसाइलों और घातक हथियार प्रणालियों को पूरी तरह से एकीकृत (इंटीग्रेट) करना अनिवार्य होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, 'खरीदो और बनाओ' मॉडल के तहत होने वाली इस डील में इंटरफेस कंट्रोल डॉक्यूमेंटको पक्का किया जाएगा, ताकि देसी हथियारों के इस्तेमाल में कोई तकनीकी रुकावट न आए। रक्षा मंत्रालय की तरफ से अगले महीने फ्रांसीसी जेट निर्माता कंपनी डसॉल्ट को रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल जारी किए जाने की उम्मीद है, जिसके बाद इस अनुबंध पर अंतिम बातचीत शुरू हो जाएगी। आपको बता दें कि रक्षा अधिग्रहण परिषद ने बीते 12 फरवरी को ही इस मेगा डील को अपनी हरी झंडी दे दी थी।

किसान आंदोलन पर हरियाणा पुलिस अलर्ट, हाईवे-टोल और मंडियों में विशेष सुरक्षा

चंडीगढ़। संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा 11 अप्रैल को प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन के मद्देनजर हरियाणा में कानून व्यवस्था बनाए रखने को लेकर पुलिस पूरी तरह अलर्ट है। पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक में प्रदेशभर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रबंधों की समीक्षा की गई। डीजीपी अजय सिंघल ने स्पष्ट किया कि किसान संगठनों द्वारा प्रस्तावित जाम के दौरान शरारती तत्व माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

अलविदा आशा ताई- आज होगा अंतिम संस्कार

92 की उम्र में आशा भोसले ने दुनिया को कहा अलविदा

नई दिल्ली। एजेंसी

मशहूर गायिका आशा भोसले अब इस दुनिया में नहीं रहीं। 92 साल की उम्र में गायिका ने आखिरी सांस ली। आशा भोसले ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती थीं। शनिवार को गायिका की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। फैंस उनके ठीक होने की प्रार्थना कर रहे थे और अब उनके निधन की खबर ने इंडस्ट्री और फैंस को दंग कर दिया है। ब्रीच कैंडी अस्पताल की डॉ. प्रतीत समदानी ने आशा भोसले के निधन की जानकारी देते हुए कहा, आशा भोसले ने आज ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली। मल्टी-ऑर्गन फेलियर के कारण उनका निधन हो गया। आशा भोसले के बेटे आनंद भोसले ने भी इस खबर की पुष्टि की है। उन्होंने मीडिया के साथ बातचीत में कहा, मेरी माता जी आशा भोसले का आज निधन हो गया है। कल सुबह 11 बजे लोअर परेल के कासा ग्रांडे में लोग उन्हें अंतिम विदाई देने आ सकते हैं। वहीं, शाम चार बजे शिवाजी पार्क में उनका अंतिम संस्कार होगा। बीती शाम को आशा भोसले को ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तब उनकी पोती जनाई भोसले ने एक पोस्ट के जरिए बताया था कि उनकी दादी को चेस्ट इन्फेक्शन हुआ है। अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। अब उनके निधन की खबर से इंडस्ट्री को बड़ा झटका लगा है। वह सात दशक से सिनेमा पर राज कर रही थीं। खबर आते ही सोशल मीडिया पर शोक की लहर है. वहीं फैंस और सेलेब्स सोशल मीडिया के जरिए रिएक्शन देते हुए नजर आ रहे हैं. हालांकि निधन से कुछ घंटे पहले देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिग्गज गायिका के स्वस्थ होने की कामना की थी. उन्होंने एक्स पर लिखा, ' 'यह सुनकर चिंता में हूं कि आशा भोसले जी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. उनके अच्छे स्वास्थ्य और जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं.आशा भोसले की सेहत की बात करें तो उन्हें अचानक कार्डियक अरेस्ट आया, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया था. फिलहाल उनका इलाज इमरजेंसी मेडिकल यूनिट में चला. वहीं आशा भोसले के अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी उनकी पोती जनाई भोसले ने इंस्टाग्राम पर दी थी. उन्होंने पोस्ट में लिखा, मेरी दादी आशा भोसले बहुत ज्यादा थकान और छाती के इन्फेक्शन की वजह से अस्पताल में भर्ती हैं। उनका इलाज चल रहा है और उम्मीद है कि सब ठीक हो जाएगा. हम आपको जल्द ही अच्छी खबर देंगे.आशा भोसले का नाम भारतीय संगीत इतिहास में बेहद सम्मान के साथ लिया जाता है.

सुरीली आवाज़ हुई खामोश- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जताया गहरा दुख

भारतीय संगीत जगत की दिग्गज और सदाबहार आवाज आशा भोसले के निधन से पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई है। 92 वर्ष की उम्र में उनके निधन की खबर ने न सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री बल्कि करोड़ों प्रशंसकों को भी स्तब्ध कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आशा भोसले के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर उनके साथ अपनी पुरानी तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि भारत ने अपनी सबसे बहुमुखी और प्रसिद्ध आवाज़ों में से एक को खो दिया है। उन्होंने कहा कि आशा जी की दशकों लंबी संगीत यात्रा ने देश की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया। और दुनियाभर के लोगों के दिलों को छुआ।

रमेश ने केंद्र पर लगाए गंभीर आरोप

जातिगत जनगणना को ठंडे बस्ते में डालना चाहती है सरकार

नई दिल्ली/ एजेंसी

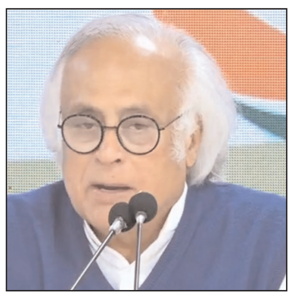

कांग्रेस ने रविवार को केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कई गंभीर आरोप लगाए। पार्टी का कहना है कि सरकार जाति जनगणना को जानबूझकर टालना चाहती है और महिलाओं के आरक्षण कानून में बदलाव करके देश को गुमराह कर रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि सरकार का इरादा जाति जनगणना को 'ठंडे बस्ते' में डालने का है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर भारी भ्रम फैला रहे हैं। जयराम रमेश के मुताबिक, सरकार अनुच्छेद 334ए में संशोधन करना चाहती है। इस आर्टिकल में यह प्रावधान है कि महिलाओं को संसद और विधानसभा में आरक्षण जनगणना और परिसीमन के बाद ही लागू होगा।कांग्रेस का कहना है कि सरकार अब यह कह रही है कि जाति जनगणना के नतीजे आने में कई साल लगेंगे, जबकि बिहार और तेलंगाना जैसे राज्यों ने 6 महीने के अंदर ही जाति सर्वे पूरा कर लिया था। इस दौरान कांग्रेस नेता ने सरकार के पुराने बयानों का भी हवाला दिया। उन्होंने कहा कि 2021 में संसद में सरकार ने कहा था कि वह सष्ट/स्ज्ञ के अलावा अन्य जातियों की गणना नहीं करेगी। उसी साल सुप्रीम कोर्ट में भी सरकार ने हलफनामा देकर यही बात दोहराई। रमेश ने आगे कहा कि 2024 में एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री ने जाति जनगणना की मांग करने वालों की आलोचना की, लेकिन बाद में 2025 में सरकार ने अचानक घोषणा कर दी कि अगली जनगणना में जाति जनगणना भी होगी। मामले में कांग्रेस का आरोप है कि सरकार अब कानून में बदलाव करके जाति जनगणना के नतीजों को और देर से लाना चाहती है।

15 को मिल सकता है नया सीएम

14 अप्रैल को होगी नीतीश कैबिनेट की आखिरी मीटिंग.....

नई दिल्ली। बिहार की राजनीति में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 14 अप्रैल को अपनी कैबिनेट की आखिरी बैठक करेंगे और इसके बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे। इसी के साथ राज्य में नई सरकार के गठन का रास्ता साफहो जाएगा। जानकारी के मुताबिक, 14 अप्रैल को सुबह 11 बजे मुख्य सचिवालय में कैबिनेट बैठक बुलाई गई है। इससे पहले नीतीश कुमार भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। अब नीतीश कुमार के दिल्ली जाने के बाद सीएम पद कौन संभालेगा इसकी चर्चा भी तेज हो गई है। 14 अप्रैल को ही राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन विधानमंडल दल की बैठक भी आयोजित की जाएगी। इसी बैठक में नए नेता का चयन होगा जो बिहार का अगला मुख्यमंत्री बनेगा। बताया जा रहा है कि नए चेहरे के चयन के बाद राज्यपाल को औपचारिक जानकारी दी जाएगी। जिसके बाद 15 अप्रैल को नए मुख्यमंत्री और कैबिनेट के सहयोगियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा। राजनीतिक गलियारों में इस बात की चर्चा तेज है कि इस बार मुख्यमंत्री पद भारतीय जनता पार्टी के पास जा सकता है। अगले मुख्यमंत्री को लेकर कई नाम सामने आ रहे हैं। इनमें सम्राट चौधरी प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। हालांकि, अंतिम फैसला एनडीए विधायक दल की बैठक में ही लिया जाएगा। ऐसे में सभी की नजरें इस अहम बैठक पर टिकी हुई हैं जहां बिहार के अगले नेतृत्व की तस्वीर साफहोगी।

भाजपा ने शिवराज सिंह चौहान को सौंपी अहम जिम्मेदारी

बिहार में नई सरकार के गठन को लेकर कवायद तेज हो गई है। भाजपा ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को बिहार में पार्टी के लेजिस्लेटिव पार्टी लीडर के चुनाव के लिए भाजपा सेंट्रल ऑब्जर्वर बनाया है। गौरतलब है कि बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू के नेशनल प्रेसिडेंट नीतीश कुमार ने 10 अप्रैल को राज्यसभा मेंबर के तौर पर शपथ ली थी।

10 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट रहे माता-पिता, 8वीं के बेटे ने एक झटके में फेल कर दिया साइबर ठगों का प्लान

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले से डिजिटल अरेस्ट के नाम पर होने वाली साइबर ठगी का एक बेहद खौफनाक और हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां शातिर साइबर जालसाजों ने बड़ी चालाकी से एक व्यापारी दंपति को अपनी बातों के जाल में फंसा लिया और उन्हें आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने का डर दिखाकर करीब 10 घंटे तक 'डिजिटल अरेस्ट' रखा।

छत्तीसगढ़ में बढ़ेगी तपिश

14 अप्रैल के बाद हीटवेव का अलर्ट,जिलों में पारा 42सेल्सियस तक पहुंचने के आसार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं और आने वाले दिनों में तापमान तेजी से बढ़ने की संभावना जताई गई है। अनुमान है कि अगले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान करीब 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़कर 42 डिग्री के आसपास पहुंच सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, 14 अप्रैल के बाद प्रदेश के कई हिस्सों में ग्रीष्म लहर यानी हीटवेव चलने के हालात बन सकते हैं। इसका सबसे ज्यादा असर रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर संभागों में देखने को मिल सकता है, जहां दोपहर के समय तेज धूप और गर्म हवाएं लोगों के लिए परेशानी का कारण बनेंगी। मौसम साफहोने के चलते सूरज की तपिश अब ज्यादा महसूस की जा रही है, भले ही तापमान अभी सामान्य से थोड़ा कम हो, लेकिन लगातार बढ़त चिंता का संकेत दे रही है। मौसम की वर्तमान स्थिति पर नजर डालें तो दक्षिण छत्तीसगढ़ से लेकर विदर्भ, मराठवाड़ा, आंतरिक कर्नाटक और तमिलनाडु तक एक उत्तर-दक्षिण दिशा में फैला चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है। यह प्रणाली सीधे तौर पर बारिश नहीं ला रही, लेकिन तापमान में उतार-चढ़ाव और गर्मी बढ़ाने में इसकी भूमिका मानी जा रही है। राजधानी रायपुर में आज आसमान साफ रहने की संभावना है, जिससे दिन में तेज धूप पड़ेगी। अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान करीब 25 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है।

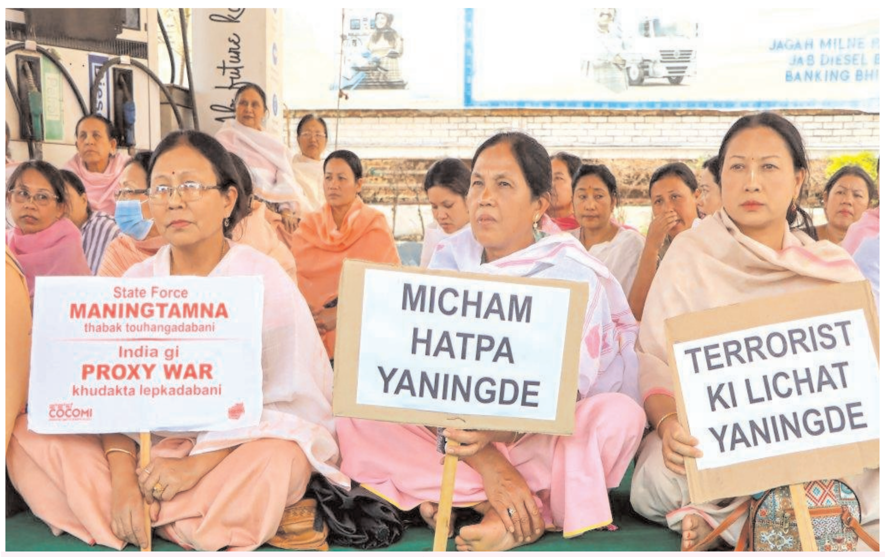

इम्फाल में, सगोलबंद बिजोय गोविंदा अपुनबा मीरा पाइबी एसोसिएशन के सदस्यों ने बिष्णुपुर ज़िले में बम हमले में दो नाबालिगों की हत्या की निंदा करते हुए धरना-प्रदर्शन किया।

योगी ने बदला एक और गांव का नाम

मियांपुर नहीं अब कहिए रविंद्र नगर-सीएम योगी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को लखीमपुर खीरी के दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने एक बड़ा ऐलान किया। मोहम्मदी क्षेत्र के मियांपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि मियांपुर गांव का नाम बदलकर अब रविंद्र नगर किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि जिस गांव में एक भी मुसलमान नहीं है उसका नाम मियांपुर कर दिया गया, लेकिन अब यह मियांपुर नहीं रहेगा, अब से यह गांव बांग्लादेश से आए इन हिंदू बंगाली बंधुओं का होगा। मियांपुर गांव अब रविंद्र नगर के नाम से जाना जाएगा।

महिला आरक्षण बिल पास होना तय! बीजेपी ने जारी व्हिप

16 से 18 अप्रैल तक कोई भी नहीं हो सकता संसद में एब्सेंट

नई दिल्ली/ एजेंसी

WOMEN RESERVATION BILL

संसद का बजट सत्र 2 अप्रैल को समाप्त होना था लेकिन अंतिम दिन कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित नहीं की गई। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने संसदीय कार्य मंत्री के अनुरोध का हवाला देते हुए सदन की कार्यवाही 16 अप्रैल तक के लिए स्थगित करने की घोषणा कर दी थी। अब जैसे-जैसे यह तारीख नजदीक आ रही है राजनीतिक हलचल तेज हो गई है और सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक अपनी-अपनी रणनीतियों में जुट गया है। अब आने वाले दिनों में संसद का सत्र काफी हंगामेदार रहने की संभावना है, जहां महिला आरक्षण और परिसीमन जैसे मुद्दों पर सत्ता और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिल सकती है। सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की अगुवाई कर रही भारतीय जनता पार्टी ने अपने सभी सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी किया है। पार्टी ने लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों को 16, 17 और 18 अप्रैल को हर हाल में सदन में उपस्थित रहने का निर्देश दिया है। व्हिप में साफ तौर पर कहा गया है कि इन तीनों दिनों के दौरान किसी भी सांसद को छुट्टी नहीं दी जाएगी और सभी को अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करनी होगी। यह सख्ती इस बात का संकेत है कि सरकार इन दिनों में कोई अहम विधेयक पेश करने या पारित कराने की तैयारी में है। जानकारी के अनुसार, केंद्र सरकार महिला आरक्षण बिल में संशोधन से जुड़ा प्रस्ताव ला सकती है। यह प्रस्ताव लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण देने से संबंधित होगा। इसके साथ ही एक संविधान संशोधन बिल भी लाया जा सकता है, जिसे पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत जरूरी होता है। ऐसे में बीजेपी ने पहले से ही अपने सांसदों की मौजूदगी सुनिश्चित करने की रणनीति बनाई है, ताकि विधेयक पारित कराने में किसी तरह की बाधा न आए। यह कदम सरकार की गंभीरता और राजनीतिक तैयारी को दर्शाता है। वहीं विपक्षी दल इस मुद्दे पर सरकार को घेरने की तैयारी में हैं। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर महिला आरक्षण विधेयक और परिसीमन से जुड़े मुद्दों पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है। खड़गे ने आरोप लगाया कि विपक्ष को विश्वास में लिए बिना निर्णय लिए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

आमजन की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता – श्रीमती नेहा बाबा वर्मा

पाटन। नगर क्षेत्र में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए एवं वार्डवासियों की मांग को प्राथमिकता प्रदान करते हुए, तहसील कार्यालय के समीप गौरव पथ स्थित सड़क डिवाइडर में सुरक्षा हेतु मजबूत ग्रिल का निर्माण कराया गया है। इस संबंध में पार्षद एवं सभापति श्रीमती नेहा बाबा वर्मा ने कहा कि आमजन की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि यह कार्य दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से कराया गया है। उन्होंने आगे कहा कि ग्रिल लगने से अनियंत्रित रूप से सड़क पार करने की घटनाओं पर नियंत्रण होगा, जिससे दुर्घटनाओं में कमी आएगी और आम नागरिकों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। साथ ही उन्होंने आश्वस्त किया कि नगरवासियों की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए इस प्रकार के कार्य आगे भी निरंतर किए जाते रहेंगे।

भाजपा का गांव चलो बस्ती चलोअभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत तरीघाट में लाभार्थियों से किए जनसंवाद

पाटन। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पखवाड़ा के द्वितीय चरण में गांव चलो घर चलो अभियान के अंतर्गत आज ग्राम पंचायत तरीघाट में कार्यक्रम संपन्न हुआ इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश,जिला, मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों द्वारा गांव में निवासरत वरिष्ठ जनों एवं हितग्राहियों से मिलकर केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों से संपर्क कर उनका सम्मान किया गया एवं केंद्र एवं राज्य सरकार के द्वारा मिल रही योजनाओं का जानकारी से भी अवगत कराया गया। साथ ही साथ जनसंवाद के माध्यम से किन-किन लाभार्थियों को क्या क्या लाभ मिला है, इन बातों का भी विस्तार से चर्चा किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमति भावना निषाद जनपद सदस्य,कार्यक्रम प्रभारी श्रीमति चंद्रिका साहू सरपंच ग्राम पंचायत तरीघाट एवं जिला महिला मोर्चा उपाध्यक्ष, श्रीमति दिव्या कलिहारी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य,पाटन नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले,मंडल अध्यक्ष ज्योति प्रकाश साहू,मंडल महामंत्री डॉ. सुरेश साहू,जनपद सदस्य रामसुमेर ठाकुर,पार्षद केवल देवांगन,विष्णु निषाद,उपसरपंच प्रकाश गिर गोस्वामी, अतेश्वर गोस्वामी, देवनारायण साहू,नेहरू साहू,उमा साहू,राधा सिंहा,जय सेन, बुधा साहू,वीणा साहू, शैलेन्द्री सिंहा, झमिता साहू सहित बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का झीट मेंकिया जोशीला स्वागत

पाटन। झीट क्षेत्र में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आगमन पर ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य एवं जोशीला स्वागत किया। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे और पूरे उत्साह के साथ उनका अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व जनपद सदस्य अंशु तुलसी रजक सहित ग्राम पंचायत झीट के उपसरपंच देवेंद्र बिट्टू पटेल, पूर्व उपसरपंच विष्णु पटेल,जनक पाल, रामेश्वर कौशिक, सीमा कौशिक, जित्तू पटेल, केशव सिन्हा, श्याम लाल धीवर, राम सेवक खुटेल एवं सोनू वैष्णव सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने क्षेत्रीय विकास और जनसमस्याओं को लेकर भी चर्चा की। कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण रहा और कार्यकर्ताओं ने एकजुटता का प्रदर्शन किया।

महासमुन्द पुलिस को मिली सफलता, हत्या के प्रकरण में हुआ बड़ा खुलासा

पुलिस ने सुलझाया ब्लाइंड मर्डर केस, खट्टी जंगल में मिला था खैराभांठा के युवक प्रकाश पटेल का शव

03 आरोपी गिरफ्तार, सभी उड़ियापारा रावणभांठा के निवासी

पुरानी रंजिश और गाली-गलौज बनी हत्या की वजह

आरोपीगण द्वारा घटना में प्रयुक्त मो0सा0 स्पलेण्डर क्र. सीजी 04 क्यू क्यू/6845 को किया गया जप्त

महासमुन्द (समय दर्शन)। दिनांक 06.04.2026 को ग्राम खट्टी जंगल में अज्ञात शव के की सूचना प्राप्त हुई थी, शव संदेहास्पद स्थिति का था।जिसके पता तलाश करने पर शव मृतक प्रकाश पटेल पिता यज्ञनारायण पटेल उम्र 23 साल, निवासी खैरा महासमुन्द का होना पता चला। मृतक का चेहरा, मुंह, सीना, गर्दन पर चोंट का निशान था तथा गला में पीला रंग का गमछा बंधा हुआ मिला था। सूचक रूपेष पटेल की रिपोर्ट पर मर्ग क्र. 50/2026 धारा 194 बीएनएसएस कायम कर जॉच पंचनामा में लिया गया। शव का पीएम जिला अस्पताल महासमुन्द से कराया गया है। मर्ग जॉच में प्रथम दृष्टया मृतक का हत्या करने से मृत्यु होना पाये जाने से अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अप.क्र.182/2026 धारा 103(1) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध विवेचना में लिया गया था। विवेचना के दौरान मृतक प्रकाश पटेल के साथ रात में घुम रहे उसके दोस्त से पुछताछ करने पर काजू उर्फ चन्द्राहास नेताम एवं उनके साथी गोपाल प्रधान द्वारा रात्री करीबन 12 बजे मृतक के साथ बहसबाजी कर अपने साथ मो0सा0 से लेकर जाना बताये, । संदेहियों के बारे में उनके परिजनों को पूछताछ किया गया जो घटना दिनांक से फरार थे। संदेही जलाधंर सोनवानी को सकुनत से तथा काजू उर्फ चन्द्रहास नेताम एवं गोपाल प्रधान को गरियाबंद से अभिरक्षा में लेकर पुछताछ करने पर बताये कि मृतक प्रकाश पटेल एवं संदेही जलांधर सोनवानी, काजू उर्फ चन्द्राहास नेताम, गोपाल प्रधान सभी दोस्त थे, एक साथ खाते पिते थे, पिछले माह चारों मोहल्ले में बैठकर शराब पी रहे थे, उसी समय प्रकाश पटेल नशे की हालत में तीनों को मां बहन की गाली गलौच किया गया था। इसी बात को लेकर तीनों मृतक प्रकाश पटेल से बदला लेने के फिराक में थे। दिनांक 05.04.2026 को आरोपियों को पता चला कि मृतक प्रकाश खैरा गायत्री मंदिर के पास है तब काजू एवं गोपाल द्वारा जलांधर की मो.सा. लेकर वहां पहुंचकर मृतक प्रकाश पटेल से मारपीट की गई और उसे मो.सा. स्पलेण्डर में बैठाकर खट्टी जंगल ले गये, जहॉ कांच के बोतल एवं पत्थर से प्रकाश पटेल को प्राण घातक हमला कर हत्या को अंजाम दिये तथा वहां से वापस जाकर जलांधर को घटना के बारे में बताये, जो जलंधर द्वारा ठीक काम किये हो बोलकर उन्हें पैसा व मो.सा. देकर गरियाबंद जाकर अंडर ग्राउण्ड हो जाओ बोलने पर महासमुन्द से फरार हो गये। पुलिस पार्टी द्वारा लगातार दबिश देकर उक्त आरोपियों को पकडा गया, उक्त तीनों आरोपियों द्वारा षडयंत्र कर मृतक की जघन्य हत्या करना पाए जाने से, उपरोक्त आरोपीगण जलंधर सोनवानी, काजू उर्फ चन्द्राहास नेताम, गोपाल प्रधान को विधिवत् गिर. कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम-

(01)चन्द्रहास नेताम उर्फ काजू नेताम उम्र 21 साल, निवासी उड़ियापारा रावणभांठा, महासमुन्द छ0ग0।

(02)गोपाल प्रधान पिता स्व. शंकर प्रधान उम्र 20 साल, निवासी उड़ियापारा रावणभांठा, महासमुन्द छ0ग0।

(03)जालंधर सोनवानी पिता स्व. श्री बंधू सोनवानी उम्र 21 साल, सा0 वार्ड नं. 30 उड़ियापारा, नया रावणभांठा, महासमुन्द छ0ग0।

प्राथमिक शाला मोहगांव के छात्र युवराज पटेल सैनिक स्कूल अम्बिकापुर हेतु चयनित

सैनिक स्कूल चयन परीक्षा छ ग में छठवां रैंक प्राप्त किया

पिथौरा (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला मोहगांव, विकास खण्ड पिथौरा के छात्र युवराज पटेल का चयन सैनिक स्कूल अम्बिकापुर के लिए हुआ है। युवराज पटेल ने सैनिक स्कूल चयन परीक्षा में 300 में से 270 अंक प्राप्त कर छत्तीसगढ़ में छठवां रैंक प्राप्त किया था। साथ ही नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 2026 में 100 में से 100 अंक प्राप्त कर नवोदय विद्यालय हेतु चयनित हुए थे। विद्यालय के प्रधान पाठक व मार्गदर्शक भोजराज प्रधान ने बताया कि युवराज पटेल बहुत ही प्रतिभावान विद्यार्थी हैं, इनका लक्ष्य सैनिक स्कूल ही था और इन्होंने सैनिक स्कूल में प्रवेश लिया है। युवराज पटेल सांकरा निवासी शिक्षक फाल्गुनी कुमार पटेल व श्रीमती नीलावती पटेल के सुपुत्र हैं। युवराज पटेल के सैनिक स्कूल में चयन होने पर विद्यालय के समस्त शिक्षकों, शाला प्रबंधन समिति सदस्यों के साथ सरपंच विजय बारीक व पंचायत प्रतिनिधियों ने बधाई देकर उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

गरियाबंद। स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय गरियाबंद में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए छात्र-छात्राओं की प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया दिनांक 10 अप्रैल से आधिकारिक रूप से प्रारंभ हो चुकी है। इस संबंध में संस्था के प्राचार्य दीपक कुमार बौद्ध ने बताया कि स्कूल में प्रवेश के इच्छुक पालक अपने बच्चों का आवेदन ऑनलाइन / ऑफलाइन मोड पर कर सकते हैं। शासन के इस प्रतिष्ठित संस्थान में दाखिले को लेकर पालकों और विद्यार्थियों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। प्राचार्य ने स्पष्ट किया कि पहली कक्षा के अतिरिक्त अन्य कक्षाओं में कोई भी सीट रिक्त नहीं होने के कारण केवल पहली कक्षा में ही प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। शासन के आदेशानुसार भर्ती की प्रक्रिया पूरी पारदर्शी माध्यम से होगी यदि कक्षा में उपलब्ध सीटों की तुलना में आवेदनों की संख्या अधिक होती है, तो चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रखी जाएगी। इसके लिए मैन्युअल लॉटरी

(पर्ची पद्धति) का सहारा लिया जाएगा। यह चयन प्रक्रिया 06 मई से 10 मई 2026 के बीच आयोजित की जाएगी, जिसमें पालकों अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में निष्पक्ष रूप से लॉटरी निकालकर बच्चों का चयन किया जाएगा।

प्रवेश हेतु आवेदन 10 अप्रैल से लेकर 5 मई 26 तक ऑनलाइन मोड में किया जा सकता है। ज्ञात रहे कि बच्चे की आयु सीमा 31 मई 2026 की स्थिति में पांच वर्ष छः माह से 6 वर्ष छः माह के बीच होनी चाहिए अन्यथा आवेदन स्वतः निरस्त हो जाएगा।

सच्ची श्रद्धा और तप से मिलते हैं भगवान : आचार्य महादेव

गायत्री महायज्ञ एवं शिव महापुराण कथा में भक्ति का संदेश, पार्वती जन्म प्रसंग सुनाया

सेलूद। बाजार चौक सेलूद में आयोजित गायत्री महायज्ञ एवं शिव महापुराण कथा के तीसरे दिन कथा वाचक आचार्य महादेव ने कहा भगवान सबके जीवन में आते हैंज् परंतु उनका साक्षात्कार हर कोई नहीं कर पाता। जिसके हृदय में भक्ति, श्रद्धा और सच्ची भावना होती है, वही भगवान को अनुभव करता है। जितनी हमारे भीतर गहराई होगी, उतना ही हम भगवान के करीब होंगेज् क्योंकि भगवान बाहर नहीं, हमारे भीतर ही विराजमान हैं।

पार्वती जन्म कथा सुनाते हुए आचार्य महादेव ने कहा- जब-जब धरती पर अधर्म और असुरों का अत्याचार बढ़ता है, तब-तब भगवान अपनी लीला रचते हैं। इसी क्रम में माता सती ने अपने पिता दक्ष के यज्ञ में अपमान सहन न कर देह त्याग दी। भगवान शिव विरह में समाधि में लीन हो गए और सृष्टि का संतुलन बिगड़ने लगा। तब देवताओं की प्रार्थना पर आदिशक्ति ने पुनः जन्म लेने का संकल्प लिया। हिमालयराज और रानी मैना के घर एक दिव्य कन्या का जन्म हुआ यही माता पार्वती थीं। बचपन से ही उनके हृदय में भगवान शिव के प्रति अटूट प्रेम और भक्ति थी। माता पार्वती ने कठोर तपस्या कर भगवान शिव को प्रसन्न किया। वर्षों तक वन में रहकर उन्होंने कठिन व्रत और साधना की। उनकी अटूट श्रद्धा और समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार किया। यह कथा हमें सिखाती है कि सच्ची भक्ति, तप और समर्पण से असंभव भी संभव हो जाता है। माता पार्वती का जीवन त्याग, धैर्य और अटूट विश्वास का प्रतीक है, जो हर भक्त को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। मौके पर प्रमुख रूप से पूर्व सरपंच खेमीन साहू, जयश्री वर्मा, दिव्या कलिहारी, एन के तिवारी, खेमलाल साहू, रमेश देवांगन,सुरज बंछोर, ललिता बनपेला, पीतांबरी साहू,सीता बंछोर, सत्यभामा बनछोर, अजय ठाकुर अशोक यादव, दिलेश्वरी देवांगन, टामन लाल, कृष्ण कुमार, अमरचंद साहू, मिन्की सिंह, अशोक राजपूत जगन्नाथ देवांगन, भागवत वर्मा, सुरेंद्र बंछोर, कौशल बनपेला, भोलाराम साहू, उर्वशी बंछोर, ललिता वर्मा, लाल सिंग, घनश्याम पटेल, नरसिंग देवांगन, केंवरा साहू, विमला साहू, अनुसूइय्या बंछोर, अर्जुन बंछोर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

महासमुंद वनमंडल में अवैध लकड़ी परिवहन पर प्रभावी कार्यवाही

Latitude 21.079687
Longitude 82.298055
Altitude 278.2±12.6 m

महासमुन्द (समय दर्शन)। वनमंत्री केदार कश्यप की मंशानुसार सघन गस्ती अभियान के तहत् 10 अप्रैल 2026 को महासमुंद वनमंडल के बागबहरा परिक्षेत्र अंतर्गत खल्लारी सर्किल के दक्षिण खल्लारी परिसर में विशेष सघन जांच अभियान संचालित किया गया।

अभियान के दौरान ग्राम चुरकी क्षेत्र में अवैध रूप से लकड़ी परिवहन करते हुए एक स्वराज माजदा ट्रक (क्रमांक CG 08/L-0851) को पकड़ा गया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें अवैध रूप से परिवहन की जा रही बीजा लकड़ी 19 नग (1.523 घनमीटर) एवं अन्य प्रजाति की लकड़ी 4 नग (0.353 घनमीटर), कुल 23 नग (1.858 घनमीटर) पाई गई, जिसे मौके पर ही जप्त कर लिया गया। जप्ती उपरांत वाहन चालक राकेश, पिता गोरेलाल सतनामी, निवासी फरफेद, आरंग, जिला रायपुर को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान चालक द्वारा अपना अपराध स्वीकार किया गया।

उक्त प्रकरण में आरोपी के विरुद्ध वन अपराध क्रमांक 14402/24 , 10 अप्रैल 2026 को पंजीबद्ध कर विधिसम्मत कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

इस कार्यवाही में वन प्रबंधन समिति चुरकी के अध्यक्ष एवं सदस्यों के साथ-साथ परिक्षेत्र अधिकारी लोकनाथ ध्रुव, डिप्टी रेंजर मोतीलाल साहू, वन रक्षक कमल यादव, अमित दीवान एवं विवेकानंद क्षेत्रपाल का विशेष एवं सराहनीय योगदान रहा।

परिवहन की आड़ में 4000 घन मीटर में अवैध मुरम खनन! माइनिंग अधिकारी गायब, विभाग के छोटे कर्मचारीयों की कार्यवाही

अनुमति सिर्फपरिवहन की, लेकिन रात-दिन चलती रही खुदाई; प्रशासन की नाक के नीचे करोड़ों का खेल, अब कार्रवाई से मचा हड़कंप

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले में मुरम परिवहन की अनुमति का खुला दुरुपयोग सामने आया है,जहां खनन पर स्पष्ट प्रतिबंध के बावजूद लगभग 4000 घन मीटर मुरम अवैध मिट्टी की खुदाई कर दी गई। हैरानी की बात यह है कि इस पूरे खेल के दौरान माइनिंग विभाग के अधिकारी नदारद रहे,जबकि राजस्व विभाग ने मौके पर पहुंचकर खनिज विभाग के छोटे कर्मचारियो के साथ कार्रवाई करते हुए बिट पास को जप्त कर ले गए। राजस्व विभाग ने पूरे मामले का खुलासा किया। इस घटना ने प्रशासनिक लापरवाही और मिलीभगत पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार नगर में बनने वाले फोर लाइन सड़क के लिए जिला प्रशासन द्वारा केवल मुरम परिवहन की अनुमति दी गई थी,ताकि पूर्व में स्वीकृत स्थानों से सीमित मात्रा में मुरम ले जाई जा सके। लेकिन इसका फायदा उठाकर ठेकेदारों और संबंधित लोगों ने नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए प्रतिबंधित क्षेत्र में बड़े पैमाने पर खुदाई शुरू कर दी।

सूत्रों के मुताबिक, यह अवैध खनन कार्य दिन-रात जेसीबी और भारी मशीनों से किया जा रहा था, जिससे लगभग 4000 घन मीटर की जमीन को खोखला कर दिया गया।साथ ही खनन क्षेत्र का न तो पट्टा जारी किया गया है और न ही खनन करने की अनुमति ही दीं गई है। वहीं प्रस्ताव के नाम पर नगर पालिका अध्यक्ष ने अपने ही हस्ताक्षर से प्रस्ताव जारी कर दिया जबकि यह पीआईसी की मीटिंग मे तय होना था और प्रस्ताव मे अभी के हस्ताक्षर होना चाहिए था।

माइनिंग विभाग की भूमिका पर सवाल: सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब इतने बड़े पैमाने पर खनन हो रहा था,तब माइनिंग विभाग के अधिकारी कहां थे?

स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्या अधिकारियों को जानकारी नहीं थी,या उनकी घोर लापरवाही है, या फिर जानबूझकर आंखें मूंद ली गईं।

राजस्व विभाग की कार्रवाई: मामले की गंभीरता को देखते हुए मीडिया की टीम शनिवार के दोपहर में मौके पर पहुंचे और कलेक्टर को इसकी सूचना देने के बाद राजस्व विभाग और खनिज विभाग की टीम मौके पहुंचे लेकिन खनिज अधिकारी नहीं आए वही जानकारी लेने पर पता चला कि माइनिंग अधिकारी मुख्यालय से ही बाहर है। जिसके चलते राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर दबिश दी,जहां अवैध खुदाई के स्पष्ट प्रमाण मिले। प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बिट पास जप्त किया और मशीन को सील करने से यह कहते हुए मना कर दिया कि हम छोटे कर्मचारी हैं हमको मशीन शील करने का अधिकार नहीं है

खनन कार्य को बंद कराया,और संबंधित मशीनों को जब्त करने की प्रक्रिया शुरू की लेकिन मशीन को मौके पर ही बिना सिल किए केवल कागजी कार्यवाही के टिम लौट आए।

जनता में आक्रोश: स्थानीय ग्रामीणों और किसानों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि इस अवैध खनन से तालाब की जमीन बर्बाद हो रही है और पर्यावरण को भी भारी नुकसान पहुंच रहा है। आखिर किसके संरक्षण में 4000 घन मीटर की इतनी मिट्टी की खुदाई हो गई ?क्या दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई या फिर मामला दबा दिया जाएगा? खनिज अधिकारी से तालाब खोदने के सम्बन्ध मे बात करने पर उन्होंने कहा की कितना खोदाई करना है खोदना है की नहीं इसकी अनुमति नगर पालिका सीएमओ द्वारा दीं जाएगी हमने तो केवल परिवहन की अनुमति दीं है। खोदाई की नहीं। वही कार्यवाही करने पहुंचे राजस्व विभाग के पटवारी लोकेश साहू ने बताया कि तालाब खुदाई के लिए 2000 घन मीटर प्रस्तावित था,लेकिन ये खुदाई बिना अनुमति के 4000 घन मीटर कर दिया है।

वंदे मातरम् के 150 वी वर्षगांठ पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के विद्यार्थी हुए सम्मानित

अब देश के लिए मरने की नहीं, बल्कि अच्छा कार्य करते हुए देश के लिए जीने की जरूरतः सांसद बृजमोहन

रायपुर। वंदे मातरम् 150 साल बाद भी भारत को एकसूत्र में बांधने का मंत्र है। जब भी हमे भारत के प्रति प्यार और एकजुटता दिखानी होती है । हम वंदे मातरम् का जयघोष करते हैं। वंदे मातरम् को सभी स्कूल- कॉलेजों में अनिवार्य करके प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वास्तविक रूप से इस गाने को सम्मान दिया है। यह बात सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल का जिन्होंने शनिवार को वृंदावन हाल में वंदे मातरम् के 150 वीं वर्षगांठ पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में कही। कार्यक्रम में 150वीं वर्षगांठ पर 15 जनवरी को रायपुर लोकसभा क्षेत्र में 5 लाख विद्यार्थियों द्वारा किए गए सामूहिक वंदे मातरम् गान पर मुख्य कार्यक्रम स्थल सुभाष स्टेडियम में आयोजित में सांस्कृतिक देशभक्ति कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, हम सब बचपन से स्कूलों में 'जन गण मन' गाते आए हैं, परंतु 'वंदे मातरम्' देश के क्रांतिवीरों का गीत रहा है। यह गीत आज़ादी के दीवानों का गीत था, लोगों को मर-मिटने के लिए प्रेरित करने वाला गीत था, अंग्रेजों को परेशान करने वाला गीत था और क्रांतिकारियों में जोश भरने वाला गीत था। यह देश की आज़ादी के लिए जन-जन के मन में उत्साह और देशभक्ति की भावना जागृत करने वाला गीत रहा है। आज समय बदल चुका है। उस समय 'देश के लिए मरना सीखो' की भावना थी, लेकिन आज आवश्यकता है 'देश के लिए जीना सीखो' की। अब देश के लिए मरने की नहीं, बल्कि अच्छा कार्य करते हुए देश के लिए जीने की जरूरत है। श्री बृजमोहन ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में इस महान गीत को उचित सम्मान मिल रहा है। यह वही गीत है जिसने हमें आज़ादी दिलाई, जिसने देशभक्ति की भावना पैदा की और लाखों लोगों को फांसी के फंदे पर झूलने के लिए भी प्रेरित किया। ऐसे गौरवशाली गीत का सम्मान होना चाहिए और देश के जन-जन में इसकी भावना जागृत होनी चाहिए। इसी उद्देश्य से 'वंदे मातरम्' के 150वें वर्ष के अवसर पर पूरे देश में जागरण का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। सरकार द्वारा भी निर्देश जारी किए गए हैं कि बड़े आयोजनों में वंदे मातरम् का गायन किया जाए, ताकि नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना विकसित हो सके। रायपुर में भी इसी भावना के साथ 15 जनवरी को सामूहिक वंदे मातरम् गायन किया गया था। 5 लाख लोगों ने एक साथ 12 बजकर 55 मिनट पर 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन किया। यह देश में अपने आप में एक ऐतिहासिक और सबसे बड़ा आयोजन रहा। इस सामूहिकता ने यह सिद्ध किया कि एकता ही भारत की सबसे बड़ी ताकत है। जब बच्चों को यह अनुभव हुआ कि वे इस 5 लाख के समूह का हिस्सा हैं, तो उनके भीतर गर्व और गौरव की भावना विकसित हुई। सुभाष स्टेडियम में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम भी अत्यंत अलौकिक रहे, जिनकी सभी ने सराहना की। इन कार्यक्रमों में भाग लेने वाले प्रतिभावान बच्चों एवं संस्थाओं को सम्मानित करना हम सभी के लिए गौरव और गर्व का क्षण है। इस अवसर पर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने सभी प्रतिभागियों, आयोजकों और संस्थाओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

अम्बेडकर अस्पताल के सर्जरी विभाग की ऐतिहासिक उपलब्धि

■ मरीज के पीठ का बोझ हटा, जिंदगी फिर मुस्कुराई

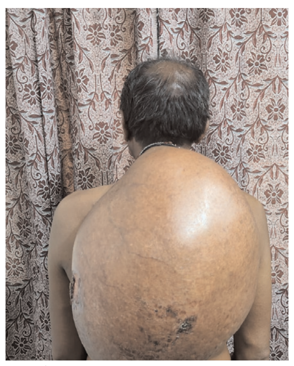

रायपुर। डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर के सर्जरी विभाग ने एक अत्यंत जटिल, संवेदनशील, जोखिमपूर्ण और चुनौतीपूर्ण शल्य चिकित्सा को सफलतापूर्वक संपन्न कर चिकित्सा जगत में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। अम्बेडकर अस्पताल के अधीक्षक और लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जन डॉ. संतोष सोनकर एवं सर्जरी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह के नेतृत्व में सर्जरी विभाग की विशेषज्ञ टीम ने एक मरीज के शरीर से 10.30 किलोग्राम वजनी विशाल ट्यूमर (गांठ/गठान) को सफलतापूर्वक निकालकर न केवल एक कठिन चिकित्सा चुनौती का समाधान किया, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति को पुनः सामान्य जीवन जीने की आशा, सम्मान और आत्मविश्वास भी लौटाया, जो पिछले लगभग 15 वर्षों से शारीरिक पीड़ा, सामाजिक असुविधा और मानसिक संघर्ष के साथ जीवन जी रहा था। यह केवल एक सफल ऑपरेशन नहीं है, बल्कि यह छत्तीसगढ़ के शासकीय चिकित्सा तंत्र, चिकित्सकीय विशेषज्ञता, मानवीय संवेदना और सेवा-समर्पण का जीवंत उदाहरण है। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि जब चिकित्सा विज्ञान, अनुभव, संवेदनशीलता और समर्पण एक साथ आते हैं, तब असंभव प्रतीत होने वाली परिस्थितियों में भी नई आशा का जन्म होता है।

दुर्लभ एवं गौरवपूर्ण उपलब्धि

उपलब्ध मेडिकल लिटरेचर एवं वर्तमान अभिलेखों के अनुसार, भारत में अब तक लगभग 8 किलोग्राम तक के ट्यूमर के सफल निष्कासन का उल्लेख मिलता है, जबकि विश्व स्तर पर लगभग 22 किलोग्राम तक के ट्यूमर के ऑपरेशन का अभिलेख उपलब्ध है। ऐसे परिप्रेक्ष्य में डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर द्वारा 10.30 किलोग्राम वजनी विशाल ट्यूमर का सफल निष्कासन भारतवर्ष के संदर्भ में एक अत्यंत उल्लेखनीय, असाधारण और गौरवपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। यह सफलता न केवल अस्पताल के सर्जरी विभाग की दक्षता को दर्शाती है, बल्कि यह पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व, सम्मान और प्रेरणा का विषय है।

दर्द और पीड़ा के वे 15 वर्ष

इस केस को देखने वाले प्रमुख चिकित्सक डॉ. संतोष सोनकर के अनुसार, मरीज की पीठ पर यह विशाल ट्यूमर पिछले लगभग 15 वर्षों से मौजूद था, जो धीरे-धीरे निरंतर बढ़ता गया। वर्षों तक यह बढ़ती हुई गांठ मरीज के जीवन पर भारी बोझ बनती चली गई। धीरे-धीरे स्थिति ऐसी हो गई कि मरीज को चलने-फिरने, बैठने, उठने, सोने और दैनिक जीवन के सामान्य कार्यों तक में अत्यधिक कठिनाई होने लगी। केवल शारीरिक कष्ट ही नहीं, बल्कि इतने बड़े ट्यूमर के कारण मरीज को मानसिक पीड़ा, सामाजिक असहजता और आत्मविश्वास में कमी जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ रहा था। एक व्यक्ति का जीवन, जो सामान्य होना चाहिए था, वह वर्षों से दर्द और संघर्ष में बंधा हुआ था।

मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने हज यात्रियों को दी भावभीनी विदाई, देश की खुशहाली के लिए दुआ करने की अपील

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी द्वारा अंबिकापुर में आयोजित एक गरिमामय विदाई समारोह में प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने हज यात्रा पर जा रहे जायरीनों का उत्साहवर्धन किया और उनके मंगलमय सफर की कामना करते हुए उन्हें रवाना किया।

हज यात्रा आत्मिक शुद्धि और समर्पण का प्रतीक- कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने हज के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहाः हज यात्रा इस्लाम धर्म के अनुयायियों के लिए अत्यंत पवित्र है। यह यात्रा केवल एक धार्मिक कर्तव्य नहीं, बल्कि आत्मिक शुद्धि, अटूट समर्पण और अनुशासन का जीवंत प्रतीक है। हमारी सरकार सभी धर्मों के प्रति समान सम्मान और सहयोग की भावना के साथ काम करने के लिए संकल्पित है।

कार्यक्रम की मुख्य बातें- देश की प्रगति के लिए दुआः मंत्री जी ने यात्रियों से अपील की कि वे मक्का-मदीना की पवित्र धरती पर देश और प्रदेश की शांति, खुशहाली और आपसी भाईचारे के लिए विशेष दुआ करें। हज कमेटी की सराहनाः उन्होंने यात्रियों को दी जा रही सुविधाओं के लिए छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के प्रबंधन की तारीफ की। मार्गदर्शन सत्रः विदाई से पूर्व यात्रियों को स्वास्थ्य, सुरक्षा और यात्रा के दौरान पालन किए जाने वाले आवश्यक दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी दी गई।

गरिमामय उपस्थिति- इस भावुक और उत्साहपूर्ण विदाई समारोह में कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेः श्री प्रबोध मिंज - विधायक, लुंड्रा श्री मिर्जा एजाज बेग - अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी हज कमेटी के सदस्यगण एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक।

विदाई का क्षण- समारोह के अंत में अतिथियों और क्षेत्रवासियों ने फूल-मालाओं के साथ हज यात्रियों को विदाई दी। इस दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय और उत्साह से भरा रहा। यात्रियों ने राज्य सरकार और हज कमेटी द्वारा किए गए प्रबंधों के प्रति आभार व्यक्त किया। शुभकामनाएंः आपकी हज यात्रा सुरक्षित, सुगम और स्वीकार्य हो।

भविष्य के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय करें और उत्पादन लागत में लाएं स्थायी कमी

■ इस्पात मंत्रालय सचिव आईएएस संदीप पौंड्रिक ने किया भिलाई इस्पात संयंत्र का दौरा

रायपुर। भारत सरकार के इस्पात सचिव श्री संदीप पौंड्रिक (आई.ए.एस.) ने आज अपने एक दिवसीय प्रवास के दौरान सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) का विस्तृत दौरा किया। इस अवसर पर उनके साथ सेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) श्री कृष्ण कुमार सिंह और इस्पात मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री अभिजीत नरेंद्र भी उपस्थित रहे। भिलाई निवास पहुंचने पर अतिथियों का स्वागत निदेशक प्रभारी श्री चित्त रंजन महापात्र और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया गया, जहाँ सीआईएसएफ के जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया। इसके पश्चात इस्पात सचिव ने 'इस्पात भवन' में संयंत्र के शीर्ष प्रबंधन और कार्यपालक निदेशकों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान कार्यपालक निदेशक (रावघाट) श्री अरुण कुमार ने रावघाट परियोजना की प्रगति पर सारगर्भित प्रस्तुति दी, जबकि सुश्री शालिनी चौरसिया ने संयंत्र के उत्पादन प्रदर्शन, तकनीकी-आर्थिक मानकों और वित्तीय स्थिति का विवरण प्रस्तुत किया। चर्चा के दौरान श्री संदीप पौंड्रिक ने संयंत्र की कार्यक्षमता की सराहना करते हुए प्रबंधन को भविष्य के लिए और अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने तथा स्थायी रूप से उत्पादन लागत में कमी लाने के लिए प्रोत्साहित किया। क्षेत्रीय भ्रमण के क्रम में इस्पात सचिव सर्वप्रथम मुख्य द्वार स्थित सुरक्षा उत्कृष्टता केंद्र पहुंचे, जहाँ उन्होंने संयंत्र की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने कोक ओवन बैटरी नंबर 8 की प्रोजेक्ट साइट का निरीक्षण किया और वहां चल रहे कार्यों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश साझा किए। संयंत्र का भ्रमण संपन्न करने के बाद, सभी गणमान्य अतिथियों को पुनः गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया, जिसके पश्चात वे रायपुर के लिए रवाना हुए। इस उच्च स्तरीय बैठक और दौरे में संयंत्र के सभी विभागों के मुख्य महाप्रबंधक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मातृशक्ति के भाग्य और भविष्य को लेकर होगा महत्वपूर्ण फैसला : सुश्री सरोज पाण्डेय

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. (सुश्री) सरोज पाण्डेय ने सिविल लाइन स्थित सर्किट हाउस में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 भारत के लोकतंत्र में एक क्रांतिकारी कदम है। इस क्रांतिकारी कदम को उठाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त कर डॉ. सुश्री पाण्डेय ने कहा कि बहुत-से दल इससे पहले भी यह विधेयक लेकर आए। कभी किसी ने एक सदन में पारित किया तो दूसरे सदन में उसको रखने की हिम्मत नहीं जुटा पाए। भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. (सुश्री) पाण्डेय ने कहा कि महिलाओं को केवल वोट बैंक के तौर पर तमाम राजनीतिक दलों ने देखा, लेकिन उनका अधिकार किसी ने नहीं दिया। देश की आधी आबादी को उनका अधिकार प्रधानमंत्री श्री मोदी ने दिया है एवं सबके विकास में महिलाओं को भी जोड़ा। डॉ. सुश्री पाण्डेय ने कहा कि लोकतंत्र में महिलाओं को विधानसभा और लोकसभा में 33 प्रतिशत का आरक्षण दिया जाएगा। महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने नारीत्व का जो सम्मान किया है, उसके लिए देश की सभी बहनें प्रधानमंत्री श्री मोदी को बहुत साधुवाद देती हैं कि उन्होंने इतनी ताकत के साथ भारत की संसद में इस अधिनियम को रखा है। जब इस अधिनियम को संसद के पटल पर रखा गया तब परिस्थितियाँ सकारात्मक नहीं थीं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 2029 में यह बिल लागू हो, उस दिशा में कार्य किया और अभी उस पर संशोधन आ रहा है। आने वाले समय में विधानसभा और लोकसभा में संशोधन के साथ यह बिल पारित होगा 33 प्रतिशत आरक्षण के साथ। महिलाओं ने देश में बहुत बेहतर काम किया। भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. (सुश्री) पाण्डेय ने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री श्री मोदी ने की, जिसका सकारात्मक परिणाम आया है। आज महिलाएं नीति-निर्धारक भी हैं, केवल नीति के लाभार्थी नहीं हैं। महिलाएं अब नीति बनाएंगी। जब महिलाएं सदन में बड़ी संख्या में बैठेंगी तो सकारात्मक परिणाम आएगा, जो भारत की राजनीति को परिवर्तित करेगा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए प्रधानमंत्री का आभार माना मंत्री राजवाड़े ने प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने नारी शक्ति वंदन बिल के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह बिल महिलाओं के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। यह बिल महिलाओं के जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन लाएगा।

इस विषय के दृष्टिगत निर्धारित पार्टी कार्यक्रमों के तहत आज की प्रेस कॉन्फ्रेंस राजधानी रायपुर में संपन्न हुई। इसके साथ ही प्रदेश के 10 लोकसभा क्षेत्र में प्रेसवार्ता आयोजित की जाएगी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा। इसके तहत देश 15 प्रमुख स्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिसमें से छत्तीसगढ़ में रायपुर के पं. दीनदयाल ऑडिटोरियम में 15 अप्रैल को कार्यक्रम होगा। 11 से 16 अप्रैल तक संभाग स्तर पर नारी शक्ति सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इनमें सामाजिक संगठनों महिला आयोग, अनुसूचित जाति एवं जन जाति आयोग की सक्रिय भूमिका होगी। इस कार्यक्रम में स्थानीय महिला जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति होगी। 15 और 16 अप्रैल को नारीशक्ति पदयात्रा की जाएगी। प्रत्येक पदयात्रा का प्रभारी भाजपा की महिला सांसद, विधायक एवं पदाधिकारियों को बनाया जाएगा एवं पदयात्रा का नेतृत्व प्रतिष्ठित समाजिक सेलेब्रिटी महिला से करवाया जाएगा। श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि इसके साथ ही महिल मोर्चा एवं युवा मोर्चा द्वारा बाईक रैली की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

आंगनबाड़ी में बच्चों संग मनाया जन्मदिन

रायपुर। जिले के गुढ़ियारी स्थित मंगल बाजार कुंद्रा पारा आंगनबाड़ी केंद्र में एक अनोखी और भावनात्मक पहल देखने को मिली, जहां शिक्षिका चंचल विजय शुक्ला ने अपना जन्मदिन छोटे-छोटे बच्चों के साथ मनाकर इसे विशेष और प्रेरणादायक बना दिया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने खेल, गीत और मुस्कान के साथ जन्मदिन को उत्साहपूर्वक मनाया। बच्चों की खुशी और स्नेह ने इस आयोजन को बेहद यादगार बना दिया। यह पहल न केवल बच्चों के लिए आनंददायक रही, बल्कि समाज में खुशियां बांटने का एक सकारात्मक संदेश भी देती है। इस प्रेरणादायक पहल के लिए शिक्षिका चंचल विजय शुक्ला ने जिला प्रशासन रायपुर, विशेष रूप से कलेक्टर डॉ गौरव सिंह एवं पूरी टीम के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया, जिनके मार्गदर्शन में यह नवाचार सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है।

धारदार चाकू के साथ 02 आरोपी रेहान खान एवं संजू साहू उर्फ छोटू गिरफ्तार

रायपुर। पुलिस उपायुक्त (नार्थ जोन) श्री मयंक गुर्जर (भा.पु.से.) के निर्देशानुसार अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर नकेल कसने सहित सुरक्षा व शांति व्यवस्थाा के मद्देनजर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (नार्थ जोन) श्री आकाश मरकाम तथा सहायक पुलिस आयुक्त उरला सुश्री पूर्णिमा लामा के नेतृत्व में नार्थ जोन क्षेत्रान्तर्गत थाना प्रभारियों द्वारा अपने-अपने थाना के बलों के साथ लगातार असामाजिक तत्वों, गुण्डा बदमाशों, चाकूबाजों एवं संदिग्ध व्यक्तियों की लगातार चेकिंग की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 11.04.2026 को थाना खमतराई को सूचना मिली की एक व्यक्ति भनपुरी मेन रोड़ में एक लोहे का धारदार चाकू लेकर हवा में लहराकर आने जाने वाले आम लोगों को डरा धमका रहा है की सूचना पर पर तत्काल खमतराई पुलिस टीम द्वारा भनपुरी मेन रोड़ में पहुंचकर एक व्यक्ति जो अपने हाथ में धारदार चाकू लेकर हवा में लहराते मिला जिसे घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ करने पर अपना नाम रेहान खान पिता रियाज खान उम्र-21 साल पता-बाजार चौक भनपुरी वार्ड नम्बर 04 थाना खमतराई रायपुर का होना बताये, बाद आरोपी के कब्जे से 01 नग धारदार चाकू जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना खमतराई रायपुर में अपराध क्रमांक 245/2026 धारा 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत वैधानिक कार्यवाही कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। इसी प्रकार थाना खमतराई को सूचना मिली की एक व्यक्ति पाटीदार भवन भनपुरी के पास एक लोहे का धारदार चाकू लेकर हवा में लहराकर आने जाने वाले आम लोगों को डरा धमका रहा है की सूचना पर पर तत्काल खमतराई पुलिस टीम द्वारा पाटीदार भवन भनपुरी के पास पहुंचकर एक व्यक्ति जो अपने हाथ में धारदार चाकू लेकर हवा में लहराते मिला जिसे घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ करने पर अपना नाम संजू साहू उर्फ छोटू पिता स्व. झड़ीराम साहू उम्र 23 वर्ष पता-सांई राम चौक गोवर्धन नगर थाना खमतराई का होना बताये, बाद आरोपी के कब्जे से 01 नग धारदार चाकू जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना खमतराई रायपुर में अपराध क्रमांक 246/2026 धारा 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत वैधानिक कार्यवाही कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। गिरफ्तार आरोपीगण- 01. रेहान खान पिता रियाज खान उम्र 21 साल पता-बाजार चौक भनपुरी वार्ड नम्बर 04 थाना खमतराई रायपुर 02. संजू साहू उर्फ छोटू पिता स्व. झड़ीराम साहू उम्र 23 वर्ष पता-सांई राम चौक गोवर्धन नगर थाना खमतराई।

महाराष्ट्र सीमा से लगे नेलांगुर में हर घर पहुंचा नल जल, दूर हुई पेयजल समस्या

Latitude: 19.482514
Longitude: 80.909745
Elevation: 735.89±66.1 m
Accuracy: 11.31 m
Time: 11-04-2026 07:22
Note: nelangur
Powered by NoteCam

रायपुर। छत्तीसगढ़ के अंतिम छोर पर बसे नारायणपुर जिले के ओरछा ब्लॉक के सीमावर्ती ग्राम नेलांगुर में अब विकास की नई तस्वीर उभरने लगी है । महाराष्ट्र सीमा से लगे इस पूर्व अतिसंवेदनशील गांव में पहली बार घर-घर नल से पानी पहुंचना शुरू हुआ है, जिससे ग्रामीणों के जीवन में बड़ा बदलाव महसूस किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति स्थापित होने के बाद अब विकास कार्यों ने भी गति पकड़ ली है। कलेक्टर नम्रता जैन ने बताया की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन के तहत इस दूरस्थ गांव में जल आपूर्ति व्यवस्था शुरू की गई है । सोलर पंप के माध्यम से जल स्त्रोत से पानी उठाकर पाइपलाइन के जरिए सीधे घरों तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे बिजली पर निर्भरता कम हुई है और निर्बाध जल आपूर्ति संभव हो सकी है । जिला मुख्यालय नारायणपुर से लगभग 52 किलोमीटर दूर स्थित नेलांगुर के ग्रामीण लंबे समय से पेयजल संकट झेल रहे थे, लेकिन अब उनकी समस्या का समाधान होने से ग्रामीणों के लिए यह पहल राहत भरी साबित हो रही है। विशेष रूप से महिलाओं को अब दूर-दूर तक पानी लाने की परेशानी से मुक्ति मिली है। गांव में जल आपूर्ति शुरू होने से लोगों के दैनिक जीवन में सहजता आई है और स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी बढ़ रही है ।

जिले के अंतिम छोर तक पहुंची शासन की योजनाओं का लाभ

रायपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार विकासखण्डवार जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविरों का लगातार आयोजन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दूरस्थ अंचलों के गांवों तक पहुंचाया जा रहा है। इसी क्रम में बीते दिनों कोंडागांव जिले के केशकाल विकासखंड अंतर्गत जिले के सीमा पर स्थित ग्राम चुरेगांव में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों को शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। शिविर में कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने ग्रामीणों से आत्मीय संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता के साथ सुना। इस दौरान कलेक्टर, जिला पंचायत सदस्य श्री कपिल नाग, जनपद सदस्य श्री घसियाराम सेठिया सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर प्राप्त आवेदनों को जानकारी ली और निराकरण हेतु निर्देशित किया।

संपादकीय

युद्ध के संबंध में तमाम वर्जनाएं टूट रही

जैसे आज राष्ट्रीय संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों को मजबूत देशों ने ताक पर रख दिया है, वैसे ही युद्ध संबंधी तमाम वर्जनाएं टूट रही हैं। यह सभ्यता की ओर मानव समाज की आगे बढ़ी यात्रा की दिशा का पलट जाना है। अमेरिका और इजराइल ने बिना विकिरण जैसे परिणामों की चिंता किए ईरान के परमाणु ठिकाने नांतेज पर बमबारी की। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल के परमाणु स्थल डिमोना पर मिसाइलें दागीं। दोनों हमलों में काफी नुकसान होने की खबरें हैं। इसके बाद डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान के बिजली ग्रिड को तबाह करने की धमकी दी, तो जवाब में ईरान ने कहा कि ऐसा होने पर वह इजराइल और खाड़ी देशों में ना सिर्फ बिजली, बल्कि जल स्वच्छ करने के संयंत्रों पर भी निशाना साधेगा। इससे भड़के अमेरिकी राष्ट्रपति सांकेतिक भाषा में जो कहा, उसका यही अर्थ समझा गया है कि उन्होंने ईरान पर परमाणु बम गिराने की धमकी दी है। दूसरे विश्व युद्ध में जापान के हिरोशिमा और नागासाकी में परमाणु बम से हुई तबाही देखने के बाद दुनिया में धारणा बनी थी कि मानव विवेक आगे कभी ऐसा नहीं होने देगा। वैसे, उस महायुद्ध के बाद दुनिया में युद्ध संबंधी नियम- कायदे भी बने। उनके मुताबिक नागरिक स्थलों, बिजली-पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं, स्कूल- अस्पताल आदि जैसी जगहों को सैन्य हमलों से दूर रखने पर सहमति बनी। मगर, आज ये सारी बातें जमींदोज हो गई लगती हैं। ईरान पर हमलों की शुरुआत होते ही अमेरिका- इजराइल ने मिनाब में छोटी बच्चियों के स्कूल पर हमला किया। उसके बाद से नागरिक स्थलों, अस्पतालों, ऊर्जा स्थलों एवं जल स्वच्छता केंद्रों पर निशाने साधे गए हैं। ईरान ने भी उनका जवाब उसी अंदाज में दिया है। और ये सिलसिला बढ़ते- बढ़ते अब परमाणु हमले की चर्चा तक पहुंच गया है। इस क्रम में ये कयास भी लगाए गए हैँ कि ईरान ने खुद अपनी तैयारी से या किसी अन्य स्रोत से व्यापक विनाश के अस्त्र जुटाए हुए हैं, जिनका इस्तेमाल वह आगे चल कर सकता है। ये बातें यही बताती हैं कि जैसे आज राष्ट्रीय संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों को मजबूत देशों ने ताक पर रख दिया है, वैसे ही युद्ध के संबंध में तमाम वर्जनाएं टूट रही हैं। यह सभ्यता की ओर मानव समाज की आगे बढ़ी यात्रा की दिशा का पलट जाना है। आधुनिक युग में ऐसा होगा, पहले ये सोचना असंभव था!

कभी बंदूक अब रोज़गार

जिन हाथों ने कभी बंदूक थामकर हिंसा की मार्ग अपनाया था, अब वहीं हाथ अपने हुनर का कमाल दिखा रहे हैं। भानुप्रतापपुर के पास ग्राम चौगेल के पुनर्वास केन्द्र में प्रशिक्षण प्राप्त आत्मसमर्पित नक्सलियों द्वारा हुनर दिखाते हुए काष्ठ कला से नेम प्लेट, छत्तीसगढ़ शासन का 'लोगो', ग्राम पंचायतों के लिए बोर्ड, बच्चों के लिए की-रिंग सहित अन्य सजावटी सामग्री तैयार की जा रही है, साथ ही कपड़े का थैला, कार्यालयों के लिए बस्ता भी तैयार किया जा रहा है। सरकार द्वारा घोषित नक्सल पुनर्वास नीति के तहत कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन कांकेर द्वारा आत्मसमर्पित नक्सलियों को कुशल और दक्ष बनाने का सार्थक प्रयास किया जा रहा है। यहां पर उन्हें काष्ठशिल्प के साथ ही इलेक्ट्रिशियन, ड्रायविंग, सिलाई, राजमिस्त्री जैसे पाठ्यक्रमों का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। कभी नक्सली गतिविधियों में संलिप्त रहे युवक-युवतियॉ अब विभिन्न व्यवसाय में दक्ष हो रहे हैं, ताकि वे समाज की मुख्यधारा में शामिल होने के बाद आजीविकामूलक गतिविधियों से जुड़कर सम्मानपूर्वक जीवन निर्वाह कर सकें।

चौगेल कैंप बना कौशल प्रशिक्षण केंद्र- वर्षों से लाल आतंक के साए में हिंसा का दंश झेल रहा बस्तर संभाग अब विकास की ओर आगे बढ़ रहा है। शासन द्वारा नक्सल मुक्त बस्तर घोषित किया जा चुका है। हिंसा की राह त्यागकर मुख्यधारा में लौटे नक्सलियों को सरकार कौशल विकास का प्रशिक्षण दे रही है, ताकि वे सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर सकें। आत्मसमर्पित नक्सलियों को पुनर्वास नीति-2025 के अंतर्गत भानुप्रतापपुर विकासखंड के पास ग्राम चौगेल (मुल्ला) कैम्प में विभिन्न सृजनात्मक और रोजगारमूलक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कभी बीएसएफ का कैम्प रहा चौगेल (मुल्ला) का यह कैम्प अब हुनर सिखाने वाला गढ़ बन चुका है। यहां पर जिला प्रशासन द्वारा मुख्यधारा में लौटे 40 आत्मसमर्पित माओवादियों को अलग-अलग पाठयक्रमों जैसे- काष्ठ शिल्प, इलेक्ट्रिशियन, सिलाई, ड्राइविंग, राजमिस्त्री इत्यादि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, साथ ही उनकी शिक्षा पर भी विशेष ध्यान दी जा रही है। पढ़ने के लिए पाठ्य सामग्री, पुस्तकें, पेन-पेंसिल दिए गए हैं तथा पढ़ाने के लिए योग्य शिक्षकों की व्यवस्था भी की गई है। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा आत्मसमर्पित नक्सलियों का नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यकतानुसार दवाईयां भी दी जाती हैं। कैम्प में मनोरंजनात्मक गतिविधियां जैसे कैरम, वाद्य यंत्र, विभिन्न प्रकार के खेल भी आयोजित किया जाता है। चौगेल पुनर्वास केंद्र में राजमिस्त्री, इलेक्ट्रिशियन, वाहन चालक के साथ ही कांकेर में घुड़सवारी का भी प्रशिक्षण दिया जा चुका है। वर्तमान में सिलाई मशीन, काष्ठ शिल्प एवं असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। स्वरोजगार के लिए सशक्त बनाने हेतु कृषि विभाग, मत्स्य पालन विभाग, उद्यानिकी, पशुधन विकास विभाग के साथ 'बिहान' के द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन भी किया गया है।

प्रशिक्षण उपरांत नियोजन करने वाला पहला जिला बना कांकेर- पुनर्वास केंद्र में प्रशिक्षण उपरांत नक्सली पीड़ित एवं आत्मसमर्पित नक्सलियों को रोजगार से जोड़ने वाला कांकेर पहला जिला बन चुका है। कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने अपने हाथों से तीन नक्सली पीड़ित और एक आत्मसमर्पित नक्सली को निजी क्षेत्र में नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र सौंपा, इनमें पुनर्वासित सगनूराम आंचला एवं नक्सल पीड़ित रोशन नेताम, बीरसिंह मंडावी और संजय नेताम शामिल थे। इन सभी को निजी फर्म का नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया, जहां उन्हें 15 हजार रूपए प्रतिमाह मानदेय और अन्य प्रकार की वित्तीय सुविधाएं प्राप्त होंगी। इन्होंने चौगेल कैम्प में असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन का प्रशिक्षण प्राप्त किया था तथा उन्हें निजी क्षेत्र में नियोजित किया गया है। मुख्यधारा में लौटकर प्रशिक्षण के उपरांत रोजगार प्रदान करने के मामले में उत्तर बस्तर कांकेर पहला जिला है।

पश्चिम बंगाल में बढ़ती अराजकता लोकतंत्र के लिए चुनौती

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल, जो कभी सांस्कृतिक चेतना, बौद्धिकता और राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक माना जाता था, आज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ें लगातार कमजोर होती प्रतीत हो रही हैं। जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राज्य में हिंसा, अराजकता अलोकतांत्रिकता और राजनीतिक असहिष्णुता की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यह केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का परिणाम नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति घटते सम्मान और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति का भी द्योतक है। हाल ही में मालदा जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण अर्थात एसएआर को लेकर जिस प्रकार का असंतोष और तनाव देखने को मिला, वह भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अविश्वास को दर्शाता है। मतदाता सूची में नाम जुड़ना या हटना एक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके लिए स्पष्ट नियम और प्रावधान होते हैं। यदि इस प्रक्रिया को राजनीतिक चश्मे से देखा जाएगा या प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाया जाएगा, तो निष्पक्ष चुनाव की पूरी प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाएगी। एसएआर प्रक्रिया में बाधक बनते हुए जिसे तरह से न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाए जाने की घटना सामने आयी है, वह न केवल चिंताजनक है बल्कि लोकतंत्र के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। यह उस व्यापक घातक एवं विडम्बनापूर्ण प्रवृत्ति का हिस्सा है, जिसमें प्रशासनिक और न्यायिक तंत्र को भी राजनीतिक दबाव और भीड़तंत्र के आगे झुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है। विशेष रूप से यह तथ्य कि बंधक बनाए गए अधिकारियों में महिलाएं भी शामिल थीं, इस घटना को और अधिक गंभीर बना देता है। यह न केवल कानून के शासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि समाज में बढ़ती असंवेदनशीलता को भी उजागर करता है।

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का इतिहास नया नहीं है। 1960 और 70 के दशक में नक्सल आंदोलन के दौरान हिंसा का जो दौर शुरू हुआ था, उसने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया। इसके बाद वामपंथी शासन के लंबे कालखंड में भी राजनीतिक विरोधियों के प्रति असहिष्णुता और हिंसा की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहीं। सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल कांग्रेस एवं ममता बनर्जी के शासन में यह प्रवृत्ति समाप्त नहीं हुई, बल्कि नए स्वरूप में सामने आई। यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या केवल किसी एक दल या विचारधारा की नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र में व्याप्त एक गहरे संकट की है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, चुनावों के निकट आते ही जिस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं, वे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे का संकेत देती हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे संवेदनशील कार्य में लगे अधिकारियों को बंधक बनाना यह दर्शाता है कि कुछ तत्व चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मतदाता की स्वतंत्रता और निष्पक्ष चुनाव के अधिकार पर सीधा हमला है।

इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता उल्लेखनीय है। समय-समय पर न्यायालय ने राज्य सरकार को कड़े निर्देश दिए हैं और कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी की याद दिलाई है। किंतु यह भी एक चिंताजनक तथ्य है कि इन निर्देशों का जमीनी स्तर पर अपेक्षित प्रभाव नहीं दिखाई देता। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या राज्य प्रशासन एवं सत्तारूढ पार्टी इन निर्देशों को लागू करने में अक्षम है या इच्छुक नहीं है? यदि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश भी प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। चुनाव के समय बढ़ती अराजकता के पीछे राजनीतिक बौखलाहट भी एक महत्वपूर्ण कारण हो सकती है। जब किसी दल को अपनी लोकप्रियता में गिरावट का भय होता है, तो वह अक्सर लोकतांत्रिक मर्यादाओं को दरकिनार कर असंवैधानिक उपायों का सहारा लेने लगता है। पश्चिम बंगाल में भी कुछ ऐसी ही प्रवृत्तियां देखने को मिल रही हैं, जहां सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं पर विपक्ष को डराने, प्रशासनिक कार्यों में बाधा डालने और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लगते रहे हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के विपरीत है।

नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति इन सभी पहलुओं पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि चुनाव प्रक्रिया ही निष्पक्ष और शांतिपूर्ण नहीं रह जाती, तो लोकतंत्र का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मतदाता का विश्वास होता है, और यदि मतदाता को यह लगने लगे कि मतदाता सूची, चुनाव प्रक्रिया या प्रशासन किसी राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता स्वत: कमजोर होने लगती है। इस पूरे घटनाक्रम में प्रशासनिक नाकामी का प्रश्न भी गंभीरता से सामने आता है। किसी भी राज्य में यदि अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं, न्यायिक अधिकारी तक बंधक बना लिए जाते हैं और पुलिस या प्रशासन समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पाता, तो यह प्रशासनिक तंत्र की कमजोरी का स्पष्ट प्रमाण है। प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून व्यवस्था बनाए रखना और सरकारी कार्यों को निर्भय वातावरण में संपन्न कराना होता है। यदि प्रशासन यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है, तो इससे जनता में भय और अविश्वास दोनों बढ़ते हैं। जनता का विश्वास ही किसी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी होता है, और जब यही विश्वास डगमगाने लगता है, तो शासन की वैधता पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगते हैं।

राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। लोकतंत्र में राजनीतिक दल केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं होते, बल्कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कार्यकर्ताओं को संयम, कानून के सम्मान और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करने के लिए प्रेरित करें। लेकिन जब राजनीतिक प्रतिस्पर्धा कटु संघर्ष में बदल जाती है और कार्यकर्ताओं को किसी भी तरह से राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, तो अराजकता की स्थिति उत्पन्न होती है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि राजनीतिक दल चुनाव को युद्ध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्सव के रूप में देखें। आज आवश्यकता इस बात की है कि पश्चिम बंगाल की घटनाओं को केवल एक राज्य की समस्या न मानकर लोकतंत्र के लिए चेतावनी के रूप में देखा जाए। यदि प्रशासनिक तंत्र कमजोर होगा, राजनीतिक दल मर्यादा नहीं रखेंगे, और जनता का विश्वास कम होता जाएगा, तो लोकतंत्र केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। लोकतंत्र की रक्षा केवल संविधान या न्यायालय नहीं कर सकते, इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक निष्पक्षता और जनता की जागरूकताकृतीनों का संतुलन आवश्यक है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान परिस्थितियां हमें यही संदेश देती हैं कि लोकतंत्र को केवल चुनाव से नहीं, बल्कि व्यवस्था की निष्पक्षता, कानून के शासन और नागरिक विश्वास से मजबूत बनाया जा सकता है।

इस परिप्रेक्ष्य में आवश्यक है कि राज्य सरकार, चुनाव आयोग और न्यायपालिका मिलकर ठोस कदम उठाएं। कानून व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाए, दोषियों के खिलाफत्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई हो और प्रशासनिक तंत्र को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखा जाए। इसके साथ ही राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करें। निश्चित ही यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति एक चेतावनी है कि यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो यह अराजकता और गहराई तक फैल सकती है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि हम सभी मिलकर कानून, नैतिकता और सहिष्णुता के मूल्यों को पुन: स्थापित करें। पश्चिम बंगाल आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां से वह या तो लोकतांत्रिक पुनर्जागरण की ओर बढ़ सकता है या अराजकता के गहरे गर्त में गिर सकता है। यह निर्णय न केवल राजनीतिक नेतृत्व, बल्कि पूरे समाज को मिलकर लेना होगा।

क्या डॉनल्ड ट्रंप अमेरिका के बहादुर शाह जफर साबित होंगे ?

अजय दीक्षित

यूएस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप ने जब ईरान युद्ध पर अमेरिका की जनता को संबोधित किया तो वहां की जनता अपना सिर पकड़ लिया कि हारा हुआ पहलवान जीत का दावा कर रहा है दूसरी ओर मध्य पूर्व में खाड़ी देशों में तैनात अमेरिका के सैनिक मारे जाने या बंदी बनाए जाने के डर से होटलों में शरण ले रहे हैं। हॉर्मूज समुद्री क्षेत्र में ईरान ने कब्जा कर लिया है और वहां पर 400 से अधिक मालवाहक शिप 200 नाविकों के साथ फंसे जिनमें क्रूड ऑयल,गैस, लादी हुई है।जबकि ईरान में अस्सी लाख लोगों ने अपने आप को अमेरिका के खिलाफ युद्ध में लड़ने के लिए पंजीकृत किया है इसके अलावा दस ईरानी छ्वत्रष्ट खरग नामक टापू पर लड़ने तैयार है। उल्लेखनीय है कि 23 मार्च को डॉनल्ड ट्रंप ने खार्ग क्षेत्र में भीषण युद्ध करने की धमकी दी थी।आज हालत यह है कि डॉनल्ड ट्रंप ने अपने उद्बोधन में इसका जिक्र तक नहीं किया और यह भी कह दिया कि नाटो देश निकम्मे है । अमेरिका ने अपने आप को हॉर्मूज से अलग कर कह दिया कि जिसे खाड़ी देशों से तेल लेना हो वह अपने हिसाब से हॉर्मूज समुद्री क्षेत्र से अपने जहाज निकले। उन्होंने धमकी दी कि वह ईरान को स्टोन एज में भेज दे गा। हॉर्मूज में मध्य पूर्व के देशों के अलावा यूरोपीय देशों के 145 शिप भी फंसे है। 20 भारतीय जहाजों तेल टैंकरों गैस टैंकरों को भी अपनी बारी का इंतजार है।1857 में भारत के सम्राट बहादुर शाह जफर ने ब्रिटिश को सत्ता सौंपी थी वैसे ही डॉनल्ड ट्रंप अपनी आर्थिक सत्ता को किसको सौंपते हैं और डॉलर की बादशाहत खत्म कर विश्व को आजाद कर रहे हैं क्योंकि अब हॉर्मूज से दुनियां को यह संदेश जा रहा है कि विश्व में सुपर पावर कोई नहीं है।ईरान ने 35 दिन के युद्ध में अमेरिका को तारे दिखा दिए।हालत ऐसे हो गए हैं कि नाटो देशों का सैनिक संगठन बिखर गया है। इटली फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, ब्रिटिश,ने कहा है कि ईरान युद्ध हमारा नहीं है। इतना ही नहीं ब्रिटिश प्राइम मिनिस्टर स्टार्मर ने तो ईरान से हॉर्मूज समुद्री क्षेत्र बहाल करने के लिए 35 यूरोपीय देशों की लन्दन में मीटिंग रखी है क्योंकि नाटो देश चाहते कि अमेरिका को हटा कर ईरान से मानवीय आधार बातचीत की जाय। खाड़ी देशों में भी अब हॉर्मूज समुद्री क्षेत्र को खुलवाने में पहल की भूमिका ओमान को दे दी है।खाड़ी देशों में अब कतर,भी ईरान की भाषा बोल रहा है। शिया मौलवी सैयद अलिफ जैदी कहते हैं कि आगे आने वाले समय में हॉर्मूज से डॉलर के पराभव का रास्ता और फिलिस्तीन और गाजा की आजादी का रास्ता निकलेगा और इजरायल का अंत होगा ।

यूएस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप के आज के संबोधन का डेमोक्रेट ने भारी विरोध किया और कहा कि ट्रंप ने ईरान युद्ध संबंधी प्रश्नों का साफ उत्तर नहीं दिया है इससे अमेरिका की जनता में आक्रोश है। ईरान के राष्ट्रपति ने कहा है कि युद्ध अमेरिका के समर्पण के बाद ही बंद होगा और अमेरिका से कोई बातचीत नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि ईरान अमेरिका की फौज को ईरान की धरती पर उतरने का इंतजार कर रहे हैं।ईरान एक करोड़ लड़के लड़ेंगे।

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर खड़ी है। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने वाले संघर्ष नहीं रह गए हैं, बल्कि उनका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा व्यवस्था, पर्यावरण, सृष्टि-संतुलन, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता तक पहुंच रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ईरान और इजरायल के बीच हमलों का नया दौर, अमेरिका की रणनीतिक भूमिका, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन-ताइवान तनाव जैसे अनेक घटनाक्रम मिलकर यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर हथियारों की दौड़ और शक्ति संतुलन की राजनीति की ओर लौट रही है। यह स्थिति केवल राजनीतिक या सामरिक नहीं, बल्कि मानवीय संकट का संकेत भी है, क्योंकि जब दुनिया हथियारों पर ज्यादा खर्च करती है तो विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्र पीछे छूट जाते हैं।

आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है। सुरक्षा की यह मानसिकता वास्तव में असुरक्षा का ही परिणाम है। एक देश हथियार बढ़ाता है तो दूसरा देश भी हथियार बढ़ाता है और इस तरह एक अविश्वास का वातावरण बन जाता है। यह अविश्वास ही युद्ध की जमीन तैयार करता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में दुनिया का सैन्य खर्च कई गुना बढ़ जाएगा और यह पैसा मानव विकास के बजाय विनाश की तैयारी में खर्च होगा। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए शुभ संकेत नहीं है। पश्चिम एशिया का संकट इस समय दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता दिखाई दे रहा है। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते हमले, समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर तनाव और बड़े देशों की प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी ने इस क्षेत्र को युद्ध के कगार पर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समुद्री मार्ग खोलने की चेतावनी को खारिज करते हुए ईरान ने इजरायल पर हमलों का नया दौर शुरू किया है, जिससे यह संकट और अधिक गंभीर हो गया है। यदि यह संघर्ष लंबा चलता है तो इसका प्रभाव केवल इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है।

दुनिया की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा तेल और गैस पर निर्भर है और पश्चिम एशिया तेल उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र है। यदि वहां युद्ध बढ़ता है या समुद्री मार्ग बाधित होते हैं तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। तेल महंगा होगा तो पेट्रोल-डीजल महंगा होगा, परिवहन महंगा होगा, उत्पादन लागत बढ़ेगी और अंतत: हर वस्तु महंगी हो जाएगी। यानी एक वैश्विक महंगाई का दौर शुरू हो सकता है। महंगाई बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर भी जा सकती है। पहले से ही कई देश आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और यदि ऊर्जा संकट बढ़ता है तो स्थिति और गंभीर हो जाएगी। भारत जैसे देश भी इस स्थिति से अछूते नहीं रह सकते, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसी खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति, पेट्रोल-डीजल, गैस और उर्वरकों की उपलब्धता बनाए रखने को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंत्रियों के साथ आपात बैठक कर ऊर्जा आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने और संभावित संकट से निपटने की रणनीति पर चर्चा की। केवल केंद्र सरकार की तैयारी पर्याप्त नहीं होगी, राज्य सरकारों को भी इस स्थिति को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण, आपूर्ति प्रबंधन और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाने होंगे। इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी चिंता यह है कि दुनिया युद्ध को रोकने के बजाय उसकी तैयारी ज्यादा कर रही है। युद्ध शुरू करना आसान होता है, लेकिन उसे रोकना बहुत कठिन होता है। इतिहास गवाह है कि कई युद्ध ऐसे हुए जो कुछ दिनों के लिए शुरू हुए लेकिन वर्षों तक चलते रहे और उन्होंने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज भी यदि पश्चिम एशिया का युद्ध फैलता है तो यह केवल दो या तीन देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बड़े देशों की भागीदारी से यह वैश्विक संघर्ष का रूप ले सकता है। इसलिए यह जरूरी हो गया है कि विश्व के बड़े देश आगे बढ़कर युद्ध विराम की पहल करें और वार्ता का रास्ता निकालें। अमेरिका की भूमिका इस पूरे संकट में बहुत महत्वपूर्ण है। यदि अमेरिका चाहे तो वह इजरायल पर दबाव डाल सकता है, ईरान के साथ वार्ता शुरू करा सकता है और संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से युद्ध विराम की दिशा में कदम उठा सकता है। कूटनीति का रास्ता हमेशा युद्ध से बेहतर होता है, क्योंकि युद्ध में अंतत: नुकसान सभी का होता है। युद्ध में सैनिक मरते हैं, नागरिक मरते हैं, शहर बर्बाद होते हैं, अर्थव्यवस्था टूटती है और आने वाली पीढ़ियां तक उसके दुष्परिणाम झेलती हैं। इसलिए आज दुनिया को हथियारों की दौड़ नहीं, शांति की दौड़ की जरूरत है। हथियारों की होड़ का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि इससे विकास रुक जाता है। दुनिया के कई देश ऐसे हैं जहां आज भी लोग गरीबी, भूख, बीमारी और अशिक्षा से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकारें शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाने के बजाय हथियारों पर खर्च बढ़ा रही हैं। यह मानवता के साथ एक तरह का अन्याय है। यदि दुनिया का सैन्य बजट का एक छोटा हिस्सा भी शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च कर दिया जाए तो दुनिया से गरीबी और भूख को काफी हद तक खत्म किया जा सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से दुनिया की राजनीति अभी भी शक्ति संतुलन और सैन्य प्रभुत्व के इर्द-गिर्द घूम रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व नेतृत्व यह समझे कि असली शक्ति हथियारों में नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, विज्ञान, शिक्षा और मानव विकास में होती है। जो देश अपने नागरिकों को बेहतर जीवन देता है, वही वास्तव में शक्तिशाली देश होता है। युद्ध और हथियार केवल विनाश लाते हैं, विकास नहीं। इसलिए दुनिया को यह तय करना होगा कि उसे हथियारों की दुनिया बनानी है या मानवता की दुनिया। यदि वर्तमान परिस्थितियों में युद्ध नहीं रुके और हथियारों की होड़ इसी तरह बढ़ती रही तो आने वाले वर्षों में दुनिया को महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक मंदी, ऊर्जा संकट और सामाजिक अस्थिरता जैसे अनेक संकटों का सामना करना पड़ सकता है। यह स्थिति पूरी मानवता के लिए खतरनाक होगी। इसलिए अब समय आ गया है कि विश्व के सभी देश अपने संकीर्ण राष्ट्रीय हितों से ऊपर उठकर वैश्विक हितों के बारे में सोचें और युद्ध के बजाय शांति, सहयोग और सहअस्तित्व का मार्ग अपनाएं। मानव सभ्यता का भविष्य हथियारों से नहीं, बल्कि शांति, संवाद और सहयोग से सुरक्षित हो सकता है। यही समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही मानवता की सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी। युद्ध का अंधेरा मानवता को केवल विनाश, महंगाई, भय और अस्थिरता देता है, जबकि दुनिया को आज शांति, संवाद और स्थिरता का उजाला चाहिए, और इस दिशा में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। आज वैश्विक परिदृश्य में भारत केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं बल्कि एक नैतिक शक्ति के रूप में देखा जा रहा है, और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का व्यक्तित्व एक ऐसे विश्व नेता के रूप में उभरा है जो युद्ध नहीं, संवाद-संघर्ष नहीं, सहयोग और हिंसा नहीं, सहअस्तित्व की बात करता है। भारत बुद्ध, महावीर और गांधी की अहिंसा की परंपरा का देश है, इसलिए भारत यदि सक्रिय कूटनीतिक पहल करे, युद्धरत देशों के बीच संवाद का सेतु बने, संयुक्तराष्ट्र के मंच पर युद्ध विराम की ठोस पहल करे, तो वह विश्व राजनीति को नई दिशा दे सकता है। मोदी यदि शांति, अहिंसा, वैश्विक संवाद और आर्थिक सहयोग के चार सूत्रों पर विश्व को साथ लाने की पहल करें तो भारत वास्तव में विश्व शांति का मार्गदर्शक बन सकता है और युद्ध की दिशा में बढ़ती दुनिया को शांति और स्थिरता की दिशा में मोड़ने में ऐतिहासिक भूमिका निभा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

अवैध रेत उत्खनन पर कार्रवाई

जप्त पोकलेन मशीन को रखा गया पुलिस अभिरक्षा में

जगदलपुर (समय दर्शन)। कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनिज उत्खनन के विरुद्ध लगातार खनिज विभाग द्वारा कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में तहसील बकावंड के ग्राम बेलगाँव-बनियागाँव में रेत के अवैध उत्खनन की शिकायत मिलने पर खनिज विभाग द्वारा 26 मार्च 2026 को औचक निरीक्षण किया गया था, जिसमें अवैध उत्खनन करते पाए जाने पर प्रकरण दर्ज कर मौके पर एक पोकलेन मशीन को सील किया गया था। इसके पश्चात सूचना प्राप्त हुई कि उक्त मशीन के माध्यम से पुनः अवैध उत्खनन का प्रयास किया जा रहा है। इस पर 01 अप्रैल 2026 को खनिज एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा मशीन को शिफ्टर के माध्यम से थाना लाने का प्रयास किया गया, लेकिन ग्रामीणों के विरोध एवं अन्य कारणों से उस दिन मशीन को थाना नहीं लाया जा सका। बाद में 9 अप्रैल 2026 को बकावंड एसडीएम श्री विपिन दुबे (आईएएस) के नेतृत्व में खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा पुनः कार्रवाई की गई। इस दौरान जप्त पोकलेन मशीन को शिफ्टर के माध्यम से पुलिस थाना सिटी कोतवाली जगदलपुर लाकर सुरक्षित अभिरक्षा में रखा गया है, जहां प्रकरण में अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।खनि अधिकारी ने बताया कि जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, भंडारण और परिवहन पर सतत निगरानी रखी जा रही है और नियमों के तहत सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मनरेगा व प्रधानमंत्री आवास कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

- जल संरक्षण पर जोर, मोर गांव मोर पानी अभियान के तहत कार्यों में गति लाने के दिए निर्देश

सभागृह
जिला पंचायत दुर्ग
हमने बनाया है
हम ही संवारेंगे...

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला पंचायत सभा कक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बजरंग कुमार दुबे द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) एवं प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत प्रगतिरत निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सभी कार्यक्रम अधिकारी, तकनीकी अधिकारी एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक में मोर गांव मोर पानी महाअभियान के तहत वर्षा जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि वर्षा की प्रत्येक बूंद को संरक्षित करने के उद्देश्य से जल संग्रहण आधारित कार्यों को अधिक से अधिक स्वीकृत कर शीघ्र पूर्ण किया जाए।

उन्होंने निर्देशित किया कि समस्त ग्राम पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत हितग्राहियों द्वारा स्वप्रेरणा से सोकपिट का निर्माण कराया जाए।

साथ ही मनरेगा के अंतर्गत कम लागत एवं प्रभावी परिणाम देने वाले सोकपिट एवं जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता से चयनित कर समय-सीमा में पूर्ण किया जाए।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि मनरेगा अंतर्गत ग्राम पंचायतों में कार्यों का चयन मांग आधारित हो तथा श्रमिकों को अधिकाधिक रोजगार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत सरकार के निर्देशानुसार योजना अंतर्गत कार्यरत सभी श्रमिकों का ई-केवाईसी अनिवार्य रूप से पूर्ण कराते हुए उसका समयबद्ध अपलोड सुनिश्चित किया जाए।

समीक्षा के दौरान निर्माण कार्यों की जियो-टैगिंग में तेजी लाने, लंबित प्रस्तावों को नियमानुसार प्रस्तुत कर शीघ्र स्वीकृति प्राप्त करने तथा सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में सामाजिक अंकेक्षण अंतर्गत लंबित निकासी बैठकों को शीघ्र आयोजित कर एटीआर अपलोड करने के निर्देश दिए गए।

जानकारी अनुसार जिला दुर्ग में 50, जनपद पंचायत पाटन में 16 एवं जनपद पंचायत धमधा में 55 निकासी बैठकें लंबित हैं, जिन्हें तत्काल पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्माण कार्यों में गति लाने तथा मनरेगा के माध्यम से हितग्राहियों को 90 दिवस का रोजगार उपलब्ध कराना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बुधपदर पोटाकेबिन में छात्र छात्राओं के लिए प्रारंभ होंगे आवासीय स्कूल, कलेक्टर ने दिए निर्देश

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। जिले के गीदम विकासखंड अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने के लिए कलेक्टर द्वारा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। इसके तहत विशेष रूप से शिक्षा से जुड़े बुनियादी ढांचे को आगामी शैक्षणिक सत्र से पहले पूर्ण करने पर जोर दिया गया है। इस क्रम में कलेक्टर ने पंचायत बुधपदर के गुमरगुडा, जपोड़ी पोटाकेबिन में बालिका एवं बालक शौचालय निर्माण, पानी की समुचित व्यवस्था हेतु नए बोर का खनन, सीट मरम्मत कार्य सहित अन्य आवश्यक कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा विद्यालय में स्वच्छता बनाए रखने हेतु रेन वॉटर वाशिंग सिस्टम की व्यवस्था करने पर भी बल दिया गया, ताकि एकलव्य आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा बुधपदर पंचायत अंतर्गत इस 500 सीटर पोटाकेबिन को आगामी शिक्षा सत्र में संचालन किए जाने की योजना है। इसके अलावा कलेक्टर ने बड़ेकारका से कोड़नार तक लगभग 4 किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण के लिए मिट्टी-मुरूम कार्य एवं 6 पुलियों के निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने को भी कहा। यह सड़क क्षेत्रीय आवागमन को सुगम बनाने के साथ ही ग्रामीणों की दैनिक जरूरतों को भी आसान बनाएगी। इसके साथ ही कलेक्टर ने बारसुर स्थित डैनेक्स भवन के मरम्मत कार्य को भी प्राथमिकता में रखते हुए इसे आगामी दो माह में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर के निरीक्षण भ्रमण के दौरान डेनेक्स कर्मचारियों ने भवन से संबंधित समस्याओं से कलेक्टर को अवगत कराया। अतः कलेक्टर ने भवन में हो रहे पानी के सीलन और पानी रिसाव की समस्या को दूर करने के लिए एसडीएम को आवश्यक मरम्मत करने के निर्देष दिए। वहीं डैनेक्स फैक्ट्री के पास स्थल पर प्रस्तावित 240 सीटर नर्सिंग कॉलेज के लिए भी आवश्यक तैयारियां शुरू करने को भी कहा गया, इस नर्सिंग कॉलेज के निर्माण से क्षेत्र में स्वास्थ्य एवं शिक्षा के नए अवसर विकसित होंगे। इस क्रम में कलेक्टर द्वारा ग्राम कोरकोटी में केश कुंड से पंचायत भवन तक लगभग 1.5 किलोमीटर लंबी बीटी सड़क निर्माण के लिए भी प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। यह सड़क ग्रामीणों के लिए आवागमन को सुगम बनाएगी। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने गांव के सरपंच एवं ग्रामीणों से चर्चा करते हुए कहा कि गांवों में सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, आंगनवाड़ी एवं स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। इस दौरान कलेक्टर ने ग्रामीणों की आय बढ़ाने पर भी जोर दिया।

सूचना के अधिकार और जैविक खादों के उपयोग पर संभाग स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न

दुर्ग (समय दर्शन)। क्षेत्रीय कृषि प्रसार एवं प्रशिक्षण संस्थान रुआबांधा, दुर्ग में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 तथा हरी खाद, नील-हरी शैवाल एवं जैव उर्वरकों पर एक दिवसीय संभाग स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य सूचना आयुक्त श्री शिरिष चंद्र मिश्रा ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह अधिनियम शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने जनसूचना अधिकारियों और प्रथम अपीलीय अधिकारियों को आवेदकों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर जानकारी उपलब्ध कराने के लिए सदैव सजग रहने के निर्देश दिए।

प्रशिक्षण के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयोग की अवर सचिव श्रीमती गीता दीवान और मास्टर ट्रेनर श्री अतुल वर्मा ने पावर पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से सूचना प्रदाय की ऑनलाइन प्रक्रिया, शुल्क भुगतान और अधिनियम के संशोधित प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। संयुक्त संचालक कृषि श्रीमती गोपिका गबेल ने अधिकारियों को रिकॉर्ड्स का व्यवस्थित संधारण करने और आवेदनों के त्वरित निराकरण की समझाइश दी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण अधिकारियों को अपनी जानकारी अपडेट करने और शंकाओं के समाधान का बेहतर अवसर प्रदान करते हैं। द्वितीय सत्र में कृषि विज्ञान केंद्र पाहंदा के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को रासायनिक उर्वरकों के विकल्प के रूप में हरी खाद, नील-हरी शैवाल और जैव उर्वरकों के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया गया। वैज्ञानिकों ने बताया कि जीवामृत, बीजामृत और नैनो यूरिया जैसे विकल्प फसलों की पोषक आवश्यकताओं को काफी हद तक पूरा कर सकते हैं।

विधायक निधि के ऑनलाइन संचालन के लिए संभाग स्तरीय दिया गया प्रशिक्षण

- विधायक निधि के कार्य अब ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से होंगे संचालित

दुर्ग (समय दर्शन) । विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना, विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमएलएएलएडीएस) की संपूर्ण प्रक्रिया को 01 अप्रैल 2026 से ऑनलाइन माध्यम से संचालित करने के लिए दुर्ग संभाग के सभी जिलों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय (साइंस कॉलेज) के राधाकृष्णन हॉल में दिया गया। संचालनालय योजना एवं सांख्यिकी विभाग के संयुक्त संचालक श्री डी.एस.वर्मा एवं श्री संतोष राय ने विधायक निधि की पारदर्शी डिजिटल रूपरेखा की विस्तार से जानकारी दी।

इस दौरान कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कहा कि सांसद निधि के कार्यों के लिए ई-साक्षी पोर्टल का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से अनुशंसा प्राप्त करना, स्वीकृति जारी करना और आदेश करना जैसे कार्य ऑनलाइन किए जा रहे हैं। इसी क्रम में अब विधायक निधि के कार्यों को भी इसी पोर्टल के माध्यम से संचालित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पिछले एक वर्ष से रायपुर में इस प्रणाली का पायलट प्रोजेक्ट चल रहा था और अब इसे सभी जिलों में लागू कर दिया गया है। कलेक्टर ने कहा कि नई प्रणाली लागू होने पर प्रारंभ में अनेक प्रकार की शंकाएं होती है, लेकिन ये बदलाव प्रशासनिक कार्यों को सरल, तेज और पारदर्शी बनाने के लिए किए जाते हैं। उन्होंने ई-ऑफिस प्रणाली के सफल क्रियान्वयन का उदाहरण देते हुए बताया कि इससे सभी विभागों में कार्यप्रणाली में तेजी और सुगमता आई है।

सुकमा : उत्कृष्ट आवासीय विद्यालयों के इम्पैनलमेंट हेतु रूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित

सुकमा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के ग्रामीण प्रतिभावान विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने तथा उनके उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) के अंतर्गत वर्ष 2026-27 के लिए छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित उत्कृष्ट आवासीय शिक्षण संस्थानों के इम्पैनलमेंट हेतु रूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की गई है।

योजना के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों को कक्षा 6वीं से 12वीं तक राज्य के चयनित उत्कृष्ट आवासीय विद्यालयों में पूर्णतः निःशुल्क शिक्षा एवं आवासीय सुविधा प्रदान की जाएगी। साथ ही चयनित संस्थानों को विभाग द्वारा निर्धारित मान्य शुल्क की प्रतिपूर्ति शासन द्वारा की जाएगी। इच्छुक शिक्षण संस्थानों को निर्धारित प्रारूप में अपना प्रस्ताव रूचि की अभिव्यक्ति के रूप में तैयार कर जिला सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास कार्यालय में निर्धारित समय-सीमा के भीतर जमा करना होगा। प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तिथि 23 अप्रैल 2026 को अपरान्ह 5:00 बजे तक निर्धारित की गई है। अधिक जानकारी के लिए विभाग की आधिकारिक वेबसाइट

http://tribal.cg.gov.in

का अवलोकन किया जा सकता है। इच्छुक संस्थान भरा हुआ आवेदन पत्र कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, सुकमा में जमा कर सकते हैं।

दंतेवाड़ा : साप्ताहिक समय-सीमा बैठक संपन्न

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव की अध्यक्षता में आज संयुक्त जिला कार्यालय के डंकनी सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बैंक खातों के मिलान हेतु निर्देश जारी के संबंध में कहा गया कि स्थायी वित्त निर्देश 06, 2024 के तहत सभी संबंधित अधिकारियों को बैंक खातों के स्टेटमेंट का केशबुक एवं कार्यालय लेखों से मिलान निश्चित समय सीमा कर लेवें। इसके साथ ही बैंक समाधान विवरण प्रस्तुत करने एवं खातों के प्रकटन से संबंधित आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को भी कहा गया। इस जारी निर्देशों के अनुसार, सभी खातों की जांच एवं मिलान (रिकॉन्सिलिएशन) 31 दिसंबर 2025 तक की स्थिति में पूर्ण किया जाना अनिवार्य है।

इसके साथ ही बैठक में कलेक्टर द्वारा जिले के मुख्य पर्यटन स्थलों में स्वच्छता सुनिश्चित करने के संबंध में कहा गया कि इसके लिए पर्यटन स्थलों में पर्यटन गतिविधियां संचालित करने वाली पंचायतों की ओर से स्वच्छता टीम का गठन किया जाए जो न केवल स्थलों की साफ सफाई करेगी साथ ही साथ वहां आने वाले पर्यटकों को प्लास्टिक के उपयोग को रोकने के संबंध में कार्यवाही करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि जिले के दर्शनीय स्थलों में प्लास्टिक बोतले, पॉलीथिन के जमाव से स्थलों की प्राकृतिक सुंदरता प्रभावित हो रही है। इसे रोकने के लिए प्रशासनिक प्रयास जरूरी है। यह भी कहा कि मुख्यालय में स्थित माई दंतेश्वरी के मंदिर तट पर स्थित शंकर नदी में भी फूल सहित अन्य पूजा सामग्रियों को प्रवाहित कर दिया जाता है यह भी पर्यावरण एवं स्वच्छता की दृष्टि से उचित नहीं है। इन सब उपयोग किए गए पूजा सामग्रियों फुल आदि के सुरक्षित निस्तारण हेतु कार्य योजना बनाएं। इसके साथ ही बैठक में नागरिक आपूर्ति निगम से भंडारण रिपोर्ट की अद्यतन जानकारी अपडेट करने को कहा गया है।

न्याय के प्रति सतत समर्पण ही न्यायपालिका की वास्तविक शक्ति को परिभाषित करते हैं - न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग संभाग के न्यायिक अधिकारियों हेतु एक दिवसीय संभागीय न्यायिक सेमीनार का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी द्वारा जिला न्यायालय, दुर्ग में किया गया। इस सेमीनार में दुर्ग संभाग के पाँच सिविल जिलों से कुल 120 न्यायिक अधिकारियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधिपति, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक, छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी द्वारा न्याय एवं विधिक ज्ञान के प्रकाश का प्रतीक दीप का प्रज्वलन कर सेमीनार का शुभारंभ किया गया। सेमीनार में माननीय श्रीमती न्यायमूर्ति रजनी दुबे, तथा माननीय श्री न्यायमूर्ति रवीन्द्र कुमार अग्रवाल, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

माननीय मुख्य न्यायाधिपति ने नव अधिनियमित आपराधिक कानूनों के महत्व पर बल देते हुए कहा कि ये कानून आपराधिक न्याय प्रणाली के आधुनिकीकरण की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम हैं, जिनमें तकनीकी प्रगति का समावेश किया गया है तथा अधिक प्रभावी और पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया गया है। न्यायिक अधिकारियों को इन अधिनियमों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु उनका स्पष्ट एवं व्यावहारिक समझ विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

सेमीनार के विषयों पर प्रकाश डालते हुए माननीय मुख्य न्यायाधिपति ने कहा कि चयनित विषय अत्यंत व्यावहारिक महत्व के हैं तथा ये निचली अदालतों के समक्ष आने वाली दैनिक चुनौतियों को प्रतिबिंबित करते हैं। परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 के अंतर्गत प्रकरणों के संदर्भ में उन्होंने शीघ्र निराकरण हेतु नवाचारी प्रकरण प्रबंधन तकनीकों एवं उपकरणों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे प्रक्रियात्मक निष्पक्षता बनाए रखते हुए लंबित प्रकरणों का प्रभावी निपटारा सुनिश्चित किया जा सके।

माननीय मुख्य न्यायाधिपति ने इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के बढ़ते महत्व पर भी सेमीनार में प्रकाश डाला तथा ई-साक्ष्य की अवधारणा, विशेष रूप से भारतीय साक्ष्य अधिनियम के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक अभिलेखों की ग्राह्यता पर चर्चा की। न्यायिक अधिकारियों को डिजिटल साक्ष्य से संबंधित वैधानिक प्रावधानों से भली-भांति परिचित रहने की सलाह दी गई।

अपने उद्बोधन के समापन में माननीय मुख्य न्यायाधिपति ने विश्वास व्यक्त किया कि यह सेमीनार प्रतिभागियों के ज्ञान एवं कौशल को समृद्ध करेगा तथा न्यायिक कार्यों में आने वाली चुनौतियों के समाधान हेतु व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करेगा। माननीय मुख्य न्यायाधीश महोदय ने पुनः यह प्रतिपादित किया कि न्यायपालिका की शक्ति उसकी दक्षता, निष्पक्षता एवं न्याय के प्रति अटूट प्रतिबद्धता में निहित है तथा न्यायिक अधिकारियों की भूमिका विधि के शासन को सुदृढ़ करने एवं जनता के विश्वास को बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग ने स्वागत भाषण दिया, जिसमें उन्होंने निरंतर न्यायिक शिक्षा और विचारों के आदान-प्रदान के महत्व पर जोर दिया। इसके बाद श्रीमती निधि शर्मा तिवारी, निदेशक, छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी, बिलासपुर ने परिचयात्मक भाषण दिया, जिसमें उन्होंने सेमीनार के उद्देश्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की और बदलते कानूनी परिदृश्य में क्षमता निर्माण की बढ़ती आवश्यकता पर बल दिया। उद्घाटन सत्र का समापन दुर्ग के द्वितीय जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

संक्षिप्त समाचार

गांव चलो-बस्ती चलो अभियान : घुठिया में सभापति राजकुमार साहू द्वारा जनसंपर्क कर समस्याओं का किया समाधान

जांजगीर- //समय दर्शन । गांव चलोङ्कबस्ती चलो अभियान के तहत 11 अप्रैल को ग्राम घुठिया में जिला पंचायत सभापति राजकुमार साहू के आतिथ्य में व्यापक जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान श्री साहू ने पूरे गांव का भ्रमण कर ग्रामीणों से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याओं को सुनते हुए मौके पर ही निराकरण की पहल की। कार्यक्रम के दौरान एक संवेदनशील पहल भी देखने को मिली, जब श्रवण बाधित मनहरण यादव को तत्काल श्रवण यंत्र उपलब्ध कराया गया। इस सहायता से भावुक हुए श्री यादव ने खुशी जाहिर करते हुए सभापति श्री साहू के प्रति आभार व्यक्त किया। अभियान में भाजपा नेता राजू कश्यप और राजाराम सिंहानी,सत्यनारायण पटेल,माखन पटेल,दिलीप सूर्यवंशी, गुहाराम केवट,राजू पटेल, सतेरस बाई,सुशीला बाई ,पार्वती,संतोषी,कुंती बाई,लता सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

लो वर्ग भेद के आधार पर यहां होती है पढ़ाई और इसे माना जाता है तकनीक

बिलासपुर (समय दर्शन)। 14 अप्रैल के दिन हम डॉक्टर अंबेडकर को खूब याद करेंगे और उन्हें धन्यवाद देंगे एक सामान्य मूलक समाज का निर्माण के लिए, हम सब इस चीज को मानते हैं कि उन्होंने उनके प्रयास से एक ऐसा संविधान मिला है जो जाति, धर्म लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं करता पर यह आधी सच्चाई है। रमतला क्षेत्र में सरकार की गोद में बैठा संस्थान ओबीसी, एसटी, एससी के शैक्षण अलग-अलग चलता है। सीधे शब्दों में छात्र-छात्राओं का टाईम टेबल ही वर्ग के आधार पर वर्गीकृत है। सबसे बड़ा मामला तो कोऑर्डिनेटर का है। इस संस्था में कोऑर्डिनेटर की स्थिति पोटा केबिन के समान है। फूल है, तितली है, भंवरा है और शहद भी इकट्ठा हो रहा है। किसी दिन जब सावधानियां के बावजूद गायनिक जरूरत पड़ेगी तब बगीचे की पूरी कहानी बाहर आ जाएगी। पूर्व में भी इस संस्था की अनियमितताओं के चलते एक बार पीड़ित वर्ग संस्था भवन से निकलकर कलेक्ट्रेट आ गया था पर मामला निजी और सरकार की गोद में बैठे निजी संस्था का है तो जल्दी छुपा लिया जाता है।

अस्पताल में हंगामा, आरोपी चंद घंटों में गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। जिले के बलौदा थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति द्वारा अस्पताल परिसर में हंगामा करने और शराब के लिए पैसे मांगकर गाली-गलौज करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया ।मिली जानकारी के अनुसार, प्रार्थी लव कुमार तिवारी ने 10 अप्रैल 2026 को थाना बलौदा में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया कि 9 अप्रैल की सुबह करीब 11 बजे वह ग्राम जर्वे (ब) स्थित शासकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद थे। इसी दौरान आरोपी कृष्ण मोहन पाण्डेय उर्फ अंकु पाण्डेय (30 वर्ष) अपने कुत्ते को अस्पताल लाकर उसका वजन कराने लगा और वहां मौजूद गर्भवती महिलाओं की फोटो खींचने लगा ।जब प्रार्थी ने उसे ऐसा करने से रोका, तो आरोपी ने शराब पीने के लिए पैसे की मांग की।

बिसौहा राम गंजीर का निधन

राजनांदगांव। नगर साहू संघ के सचिव एवं ओबीसी महा सभा के जिला अध्यक्ष नरेश कुमार गंजीर अधिवक्ता के पिता, श्री बिसौहा राम गंजीर, का आकस्मिक निधन दिनांक 11/04/26 को हो गया। वे अपने पीछे चार पुत्र एवं तीन पुत्रियों संतान सहित भरा पुरा परिवार को छोड़ गए हैं। अंतिम संस्कार कल उनके गृह ग्राम खुर्सीपार, नादिया में किया गया।

राजनांदगांव में शिक्षा की नई क्रांति : रुद्राक्षम् इंटरनेशनल स्कूल का भव्य उद्घाटन

सांसद संतोष पांडे ने कहा 'शहर का विश्वास, बच्चों का भविष्य, यहीं से रखी जाएगी नींव'

राजनांदगांव। शहर के शिक्षा क्षेत्र में एक नई पहल के रूप में रुद्राक्षम् इंटरनेशनल स्कूल ऑफ एजुकेशन का आज भव्य उद्घाटन सांसद संतोष पांडे के करकमलों से संपन्न हुआ। यह विद्यालय विशेष रूप से कम शुल्क में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है, ताकि क्षेत्र के हर वर्ग के बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षा सुलभ हो सके।

उद्घाटन समारोह में सांसद संतोष पांडे ने कहा, राजनांदगाँव में 'रुद्राक्षम्' एक ऐसा नाम है जिस पर पूरा शहर भरोसा करता है। यह स्कूल बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का नया सोपान है। यहाँ से निकलने वाले विद्यार्थी क्षेत्र और देश का नाम रोशन करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही समाजसेवी रेखा संतोष पांडे ने कहा कि स्कूल केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह जीवन और करियर को संवारने का माध्यम भी बने। उन्होंने रुद्राक्षम् में छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ एक संतुलित जीवनशैली का प्रशिक्षण मिलने पर जोर दिया।

रुद्राक्षम् वेलफेयर सोसाइटी द्वारा खेल, शिक्षा, अनुशासन, स्वास्थ्य और नशे से दूरी के पांच प्रमुख क्षेत्रों में सतत कार्य किया जा रहा है। विद्यालय के माध्यम से अब बच्चों को कम शुल्क में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पार्षद शिव वर्मा ने कहा कि इस स्कूल में अध्ययन करने वाले छात्र एक जीवंत और मिलनसार शैक्षणिक समुदाय का हिस्सा बनेंगे, जो उनके व्यक्तित्व विकास में मदद करेगा। वहीं वरिष्ठ पार्षद सुनील कन्हैया साहू ने विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों के व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के लिए आदर्श स्थल बताया।

विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ खेल, म्यूजिक, डांस, शतरंज, आर्ट्स और रोबोटिक्स जैसी सह-शैक्षणिक गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।

पटरीपार क्षेत्र में स्थापित यह विद्यालय नई पीढ़ी के लिए शिक्षा का एक नया आयाम प्रस्तुत करता है। उद्घाटन समारोह में आशुतोष सिंग, देवेश वैष्णव, गेमू कुंजाम, प्राचार्या सरिता चौबे, शिक्षिका जान्हवी साहू, पूजा वासनिक, नम्रता ध्रुव, डॉली साहू सहित छात्रों के पालक और नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम हर्षोल्लास और शिक्षा के नए युग की शुरुआत के संदेश के साथ संपन्न हुआ।

केवायसी के नाम पर महिलाओं को परेशान न करे सरकार : आसिफ अली

राजनांदगांव। चुनाव से पहले महिलाओं को हर महीने 1 हजार रुपए देने का वादा करने वाली सरकार अब अपनी बातों से मुकरती नजर आ रही है। बाल विकास विभाग ने आदेश जारी कर कहा है कि योजना का लाभ पाने के लिए हर महिला का केवायसी करना अनिवार्य है और इसके लिए अपने वार्ड के आंगनबाड़ी केंद्र से संपर्क करना होगा, लेकिन जब महिलाएं अपने वार्ड के आंगनबाड़ी पहुंचती हैं, तो उन्हें सर्वर की समस्या या आईडी चेकिंग में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई वार्डों में उन्हें दूसरे वार्ड जाने को कहा जा रहा है। इससे महिलाएं अपना दैनिक कार्य छोड़कर लगातार भटक रही हैं और महतारी योजना के तहत मिलने वाली राशि अब उनके लिए परेशानी का कारण बन गई है।

विभाग की तरफ से केवायसी की सुविधा नि:शुल्क कही जा रही है, परन्तु हितग्राहियों की ओर से लगातार शिकायत की जा रही है कि चॉइस सेंटरों में उनसे केवायसी के नाम पर 50 से 100 रुपये तक वसूले जा रहे है, जिससे उन्हें दोहरी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

कांग्रेस नेता आसिफ अली ने सरकार पर सीधा आरोप लगाया है कि प्रदेश की भाजपा सरकार की महतारी वंदन योजना विफल हो चुकी है और केवायसी के नाम पर हितग्राहियों की संख्या कम करना सरकार का असल मकसद है।

आसिफ अली ने बाल विकास विभाग से मांग की है कि हर वार्ड में शिविर लगाकर महिलाओं का केवायसी कराया जाए और किसी भी महिला की राशि रोकने का मामला न बने। साथ ही विभाग को आगे आकर फैल रही भ्रंतियो एवं अफवाहों पर रोक लगाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही वार्डो में शिविर नहीं लगाया गया, तो महिलाएं बाल विकास विभाग के खिलाफ आंदोलन करने को मजबूर होंगी।

लाज के ऊपरी हिस्से में लगी आग, तत्परता से बुझाई गई, बड़ा हादसा टला

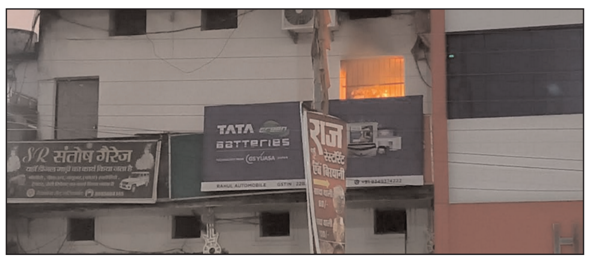

गरियाबंद। शहर के बीच स्थित एक लाज (लॉज) के ऊपरी हिस्से में अचानक आग लगने से कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया,और उस रास्ते से गुजरने वाले राहगीरों की भीड़ सड़क में लग गई,लेकिन होटल मालिक और कर्मचारी की तत्परता के चलते आग पर समय रहते काबू पा लिया गया। इस त्वरित कार्रवाई से एक बड़ी घटना टल गई और किसी भी प्रकार की जनहानि या भारी नुकसान नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार, रविवार शाम छै बजे स्थानीय लाज के ऊपरी हिस्से में अचानक धुआं उठता देख वहां मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने हल्का रूप ले लिया, लेकिन स्थिति गंभीर होने से पहले ही हॉटल मालिक और कर्मचारी ने सूझबूझ दिखाते हुए तत्काल मौके पर पहुंचे और आग पर काबू किए ।जिससे आग अन्य हिस्सों में फैलने से रुक गई और एक बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक,अगर कुछ मिनट की भी देरी होती तो आग विकराल रूप ले सकती थी, जिससे लाज को नुक्सान हो सकता था। लेकिन समय पर कार्रवाई ने स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित कर लिया। प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है,वही शॉर्ट सर्किट स्थल के नीचे ही लाज का गद्दा रखा था जिससे चिंगारी पड़ने से वो गद्दा सुलग उठा लेकिन समय रहते उस आग में काबू किया गया।

जांजगीर-चांपा विधायक ब्यास कश्यप के प्रयास से नगर सहित क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए मिली करोड़ो रूपए की स्वीकृति

जांजगीर-चांपा विधायक ब्यास कश्यप के सतत् प्रयास से जांजगीर-चांपा विधान सभा के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यो को स्वीकृति प्रदान किया गया है। इन कार्यो में प्रमुख रूप से पहुंच मार्गो का उन्नयन कार्य, मजबूतीकरण तथा चैड़ीकरण एवं विद्युतीकरण कार्य शामिल हैं। विधायक कार्यालय जांजगीर से प्राप्त जानकारी के अनुसार विधान सभा जांजगीर-चांपा क्षेत्र के ग्राम बुड़ेना से ग्राम भैंसमुड़ी तक पहुंच मार्ग निर्माण के लिए 3.50 करोड़ रूपए, जिला पंचायत मोड़ से ग्राम पेण्ड्री (जांजगीर) पहुंच मार्ग के चैड़ीकरण के लिए 3.98 करोड़ रूपए, जांजगीर नगर के बी.टी.आई. चैक से खोखसा ओव्हरब्रिज तक सड़क में डिवाईडर एवं विद्युतीकरण कार्य के लिए 1.11 करोड़ रूपए, मुख्य मार्ग से बनारी पहुंच मार्ग निर्माण कार्य 700 मीटर के लिए 15.25 लाख, ग्राम बोड़सरा से सिवनी पहुंच मार्ग निर्माण कार्य के लिए 53.94 लाख रूपए, जांजगीर बाईपास पास लिंक रोड निर्माण के लिए 78.00 लाख रूपए, जांजगीर-केरा मार्ग चैड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य 600 मीटर के लिए 31.75 लाख रूपए, की स्वीकृति प्रदान की गई है। उक्त सभी कार्यो की स्वीकृति जिला खनिज संस्थान न्यास मद से दी गई है।

इस क्षेत्र के ग्रामीण वर्षों से जर्जर एवं संकरे सड़क के कारण मुसीबतें झेल रहे थे। विधायक ब्यास कश्यप ने जनता की समस्या को प्रमुखता से उठाते हुए इनक कार्यो को स्वीकृति दिलाई है। इन सड़को के निर्माण, चैड़ीकरण एवं मजबूतीकरण से न केवल कनेक्टिविटी सुधरेगी, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास में भी मील का पत्थर साबित होगा। विधायक ने कहा कि क्षेत्र का विकास उनकी प्राथमिकता है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा, ताकि जनता को बेहतर बुनियादी ढांचा मिल सके। वर्षों पुरानी मांगें पूरी होने पर स्थानीय निवासियों में खुशी की लहर है और उन्होंने विधायक ब्यास कश्यप का आभार जताया है।

मातृशक्ति के भाग्य और भविष्य को लेकर होगा महत्वपूर्ण फैसला : लक्ष्मी वर्मा राज्य सभा सांसद

दुर्ग। राज्य सभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने दुर्ग सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 भारत के लोकतंत्र में एक क्रांतिकारी कदम है। इस क्रांतिकारी कदम को उठाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त कर राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि बहुत-से दल इससे पहले भी यह विधेयक लेकर आए। कभी किसी ने एक सदन में पारित किया तो दूसरे सदन में उसको रखने की हिम्मत नहीं जुटा पाए। राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि महिलाओं को केवल वोट बैंक के तौर पर तमाम राजनीतिक दलों ने देखा, लेकिन उनका अधिकार किसी ने नहीं दिया। देश की आधी आबादी को उनका अधिकार प्रधानमंत्री श्री मोदी ने दिया है एवं सबके विकास में महिलाओं को भी जोड़ा। लोकतंत्र में महिलाओं को विधानसभा और लोकसभा में 33 प्रतिशत का आरक्षण दिया जाएगा। महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने नारीत्व का जो सम्मान किया है, उसके लिए देश की सभी बहनें प्रधानमंत्री श्री मोदी को बहुत साधुवाद देती हैं कि उन्होंने इतनी ताकत के साथ भारत की संसद में इस अधिनियम को रखा है। जब इस अधिनियम को संसद के पटल पर रखा गया तब परिस्थितियाँ सकारात्मक नहीं थीं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 2029 में यह बिल लागू हो, उस दिशा में कार्य किया और अभी उस पर संशोधन आ रहा है। आने वाले समय में विधानसभा और लोकसभा में संशोधन के साथ यह बिल पारित होगा 33 प्रतिशत आरक्षण के साथ। महिलाओं ने देश में बहुत बेहतर काम किया। राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने आगे कहा कि 9667173333 इस नंबर मिस्ड कॉल करके महिलाएं नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना धन्यवाद ज्ञापित कर सकती हैं मैं आग्रह करती हूं कि आप सभी जरूर मिस्ड कॉल कर अपना धन्यवाद ज्ञापित करें 7 श्रीमती वर्मा ने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री श्री मोदी ने की, जिसका सकारात्मक परिणाम आया है। आज महिलाएं नीति-निर्धारक भी हैं, केवल नीति के लाभार्थी नहीं हैं। महिलाएं अब नीति बनाएंगी। जब महिलाएं सदन में बड़ी संख्या में बैठेंगी तो सकारात्मक परिणाम आएगा, जो भारत की राजनीति को परिवर्तित करेगा।

आयोजित प्रेस वार्ता में महापौर अलका बाघमार, महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री कुमुद बघेल, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष तृप्ति चंद्राकर, जिला महामंत्री डॉ भारती साहू, गायत्री परिवार प्रमुख विनीता तिवारी उपस्थित रहे 7

हर्षोल्लास से मना बापूजी का जन्मोत्सव, यात्रा में उमड़ी भक्तों की भीड़

धूमधाम से मनाया गया संत श्री आशारामजी बापू जी का अवतरण दिवस

बेमेतरा - श्री योग वेदांत सेवा समिति व समस्त साधको के द्वारा पूज्य संत श्री आशारामजी बापू का अवतरण दिवस अर्थात् 'विश्व सेवा-सत्संग दिवस' पर विभिन्न नि:स्वार्थ सेवाकार्यों को करते हुए बेमेतरा स्थित आश्रम में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । 85वां अवतरण दिवस पर 85 दीप प्रज्वलित कर भजन-कीर्तन व सत्संग का श्रवण किया गया। सुबह से आश्रम में साधको की काफी भीड़ उमड़ने लगी तथा कार्यक्रम के अंत में भोजन भंडारा का आयोजन किया गया ।

नगर में निकली हरिनाम कीर्तन यात्रा- शहर के भद्रकाली मंदिर प्रांगण से विशाल संकीर्तन यात्रा का आयोजन हुआ जिसमें सांस्कृतिक झाँकियों के साथ-साथ समिति एवं आश्रम द्वारा संचालित सेवाकार्य, संत-महापुरुषों की महिमा, देशभक्ति दर्शाते बैनर और गरीबों की सेवा के संदेश को लेकर हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया । भीड़ देख के लगा कि बापूजी के ऊपर झूठे आरोप लगाने के बावजूद उनके शिष्यों की श्रद्धा में थोड़ी भी कमी नहीं आयी है । जगह-जगह शोभायात्रा यात्रा का श्रद्धालुओं ने पुष्प-हारों से स्वागत किया गया । इसके अलावा गरीबों, जरूरतमंदों में भंडारे का आयोजन भी किया गया । इस निमित्त नवागढ़, बेरला, साजा, थानखम्हरिया, दाढ़ी के सार्वजनिक स्थानों पर नि:शुल्क शीतल पलाश शरबत, छाछ, फल वितरण की सेवा की गयी जो आगे भी पूरी गर्मियों में चालू रहेगी।

जन्मोत्सव पर 60 वर्षो से चल रही अनेको सेवाकार्य- श्री योग वेदांत सेवा समिति के अध्यक्ष विश्राम साहू एवं उपाध्यक्ष भगवती साहू ने बताया कि आज विश्व के सामने खड़ी अनेक समस्याओं का समाधान समाज की नि:स्वार्थ भाव से सेवा करने से ही सम्भव है। इसका उद्घोष एवं सफल भगीरथ प्रयास किया है - लोकसंत श्री आशारामजी बापू ने । उनका यह प्रयास आज विश्वव्यापी अभियान का रूप ले चुका है । पूज्य बापूजी से प्रेरणा पाकर उनके करोड़ो शिष्य अपने सद्गुरुदेव के अवतरण-दिवस को 'विश्व सेवा-सत्संग' दिवस के रूप में पिछले अनेक वर्षों से मनाते आ रहे हैं । पूज्य बापूजी के प्रेरणा से उनके शिष्यों द्वारा विभिन्न समाजोत्थान के कार्य किये जाते हैं । गरीबों, अनाथों, अभावग्रस्त आदिवासियों और अस्पतालों में मरीजों को अन्न, औषधि, वस्त्र आदि जीवनोपयोगी वस्तुएँ तथा आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है तथा बच्चों को सत्साहित्य, नोटबुकें आदि का वितरण, 'नि:शुल्क चिकित्सा शिविरों' का आयोजन आदि किया जाता है ।

इस आयोजन में मुख्य रूप से संजय साहू, जगतराम साहू, अवध साहू, खोमेंद साहू, ढारेंद्र साहू, हेमलाल साहू, भुवन साहू, अयोध्या यदु, गणेश पटेल, मोहन साहू, नंदू बघेल, पालेश्वर साहू, रामकरण साहू, रेवाराम पाल, राजेन्द्र साहू, सतीश साहू,रामेश्वर साहू, तोपेश्वर साहू,कुश कश्यप, यमन देवांगन,दानेश्वर साहू,भागवत साहू, कोमल साहू के साथ बाल संस्कार, महिला मंडल एवं युवा सेवा संघ के सेवाधारियों का विशेष सहयोग रहा ।

खबर-खास

ड्यूज बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता में बिनोद भारद्वाज ने किया ईनाम वितरण

सारँगढ बिलाईगढ़ -(समय दर्शन) सारंगढ़ वेटरन कप ड्यूज बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के फायनल मुकाबला सारंगढ़ मध्य सरायपाली के बीच खेला गया जहां सरायपाली ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 16 ओवर में 148 रन बनाकर सारंगढ़ को 149 रन के लक्ष्य को पिछा करते सारंगढ़ टीम ने 9 विकेट के नुकसान पर 16 ओवर में 140 रन बनाकर 8 रन से मैच गवां बैठी! वेटरन कप सीज़न 01 के ईनाम वितरण ह्रिष्य्ध अध्यक्ष संतोष पांडे,जिला पंचायत सदस्य बिनोद भारद्वाज,शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रामनाथ सिदार, पी टी आई जिला अध्यक्ष फ्कीरा यादव, क्रिकेट कोच त्रिलोक मैत्री, मण्डल अध्यक्ष राजू यादव, मंडल अध्यक्ष अश्वनी चंद्रा, गोलू चंद्रा,, सारंगढ़ वेटरन खिलाड़ीगण,सरायपाली वेटरन खिलाड़ीगण, उपस्थित रहे

पांच दिनों से देसी शराब की सप्लाई ठप, शराब प्रेमियों में मचा हड़कंप

गरियाबंद। जिले में पिछले पांच दिनों से देसी शराब की आपूर्ति पूरी तरह से बंद होने के कारण शराब प्रेमियों के बीच हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। अचानक आई इस कमी ने न केवल उपभोक्ताओं को परेशान कर दिया है, बल्कि स्थानीय स्तर पर कई तरह की चर्चाओं और अफ्वाहों को भी जन्म दे दिया है। जानकारी के अनुसार, जिले की अधिकांश देसी शराब दुकानों में पिछले सप्ताह से ही स्टॉक खत्म हो गया है। दुकानों के बाहर रोजाना पहुंचने वाले ग्राहक खाली हाथ लौटने को मजबूर हैं। कई जगहों पर लोगों ने सुबह से ही दुकानों के बाहर लाइन लगानी शुरू कर दी, लेकिन निराशा ही हाथ लगी। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि कुछ लोग आसपास के जिलों की ओर रुख कर रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि अचानक सप्लाई रुकने की वजह से अवैध शराब की बिक्री बढ़ने की आशंका भी बढ़ गई है। कुछ क्षेत्रों में चोरी-छिपे महंगे दामों पर शराब बेचने की खबरें भी सामने आ रही हैं। इससे प्रशासन की चिंता और बढ़ गई है। सूत्रों के मुताबिक, सप्लाई बाधित होने के पीछे परिवहन समस्या, गोदामों में स्टॉक की कमी या ठेके से जुड़े तकनीकी कारण हो सकते हैं। हालांकि, आधिकारिक तौर पर अभी तक कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। आबकारी विभाग के अधिकारियों का कहना है कि समस्या को जल्द सुलझाने के प्रयास किए जा रहे हैं और अगले कुछ दिनों में स्थिति सामान्य होने की उम्मीद है। इस बीच, शराब प्रेमियों में बेचैनी साफ देखी जा सकती है। कई लोग सोशल मीडिया पर भी अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। वहीं, कुछ सामाजिक संगठनों ने इस स्थिति को सकारात्मक रूप में लेते हुए लोगों से नशे से दूरी बनाने की अपील की है। अब सबकी नजर प्रशासन और आबकारी विभाग पर टिकी है कि आखिर कब तक यह संकट खत्म होगा और दुकानों में फ्रि से देसी शराब की उपलब्धता शुरू होगी। इस विषय में आपकारी दरोगा ने बताया कि स्टॉक की कमी है जो एक दो दिन में पूर्ति हो जायेगा।

कलर्स कलाकारों ने बैसाखी के अवसर पर गर्मजोशी, यादों और एकजुटताका उत्सव मनाया

कलर्स के लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट से करण कुंद्रा ने कहा,मेरे लिए बैसाखी हमेशा पंजाब में बिताए बचपन की यादें ताज़ा कर देती है—परिवार के साथ रहना, अच्छा खाना खाना और मिलकर संगीत का मज़ालेना। यह नएपन की भावना का प्रतीक है; यह समय है मौकों को पकड़नेऔर मेहनत के फ्ल का जश्न मनाने का। इस साल लाफ्टर शेफ्स के सेट पर बैसाखी मनाना बेहद मज़ेदार रहा। ढोलक की थाप ने शुरुआत की औरपंजाबी बोलियाँ एक-दूसरे को मज़ाक में छेड़ने का ज़रिया बनीं। किचन मेंअपनी पहचान वाली हलचल थी, जब हम सबने गुड़ पारे को पतंग की शक्लदेने की कोशिश की। ऐसा लगा जैसे पंजाब का एक टुकड़ा सेट पर उतरआया हो। सबको अच्छे स्वास्थ्य, सफ्लता और खुशियों की शुभकामनाएँ; हर घर प्यार से भरा रहे और हर रसोई में फ्सल का स्वाद बना रहे। बैसाखीदी लाख-लाख बधाइयाँ! कलर्स के तू जूलियट जट्ट दी से जसमीत कौर ने कहा, पंजाबी परिवार सेहोने के नाते हमारे यहाँ कोई भी त्योहार 'लो-की' नहीं होता, सब दिल से औरपूरी ऊर्जा के साथ मनाया जाता है।

जल जीवन मिशन की पोल: भगतदेवरी के पानी टंकी मे जगह-जगह छेद, हो रही पानी की बर्बादी

बसना (समय दर्शन)। महासमुंद जिले के बसना विधानसभा व पिथौरा विकास खंड के भगतदेवरी में जल जीवन मिशन अंतर्गत निर्मित पानी टंकी की हालत बेहद खराब है। पानी टंकी के पाईप कनेक्शन में कई जगह पर छेद हो जाने से बहुत सारा पानी बर्बाद हो रहा है। यह स्थिति तब है जब जल जीवन मिशन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ और सुरक्षित पानी मुहैया कराना है।

पानी टंकी की खराबी

भगतदेवरी के ग्रामीणों का कहना है कि पानी टंकी की खराबी के कारण उन्हें पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। पानी टंकी के पाईप कनेक्शन में छेद हो जाने से पानी की सप्लाई ठीक से नहीं हो पा रही है, जिससे ग्रामीणों को पानी के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता है।

ग्रामीणों की समस्या

ग्रामीणों का कहना है कि वे कई बार इस समस्या के बारे में प्रशासन को बता चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। ग्रामीणों का कहना है कि वे पानी की समस्या से जूझ रहे हैं और उन्हें अपने बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य की चिंता है

प्रशासन की जिम्मेदारी

प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह ग्रामीणों को स्वच्छ और सुरक्षित पानी मुहैया कराए। लेकिन भगतदेवरी में पानी टंकी की खराबी के कारण ग्रामीणों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है, जो प्रशासन की नाकामी को दर्शाता है

क्या है जल जीवन मिशन?

जल जीवन मिशन भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ और सुरक्षित पानी मुहैया कराना है। इस योजना के तहत देश भर में पानी टंकी, पाइपलाइन और अन्य जल संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है

क्या है समस्या?

भगतदेवरी में पानी टंकी की खराबी के कारण ग्रामीणों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। पानी टंकी में पाइप कनेक्शन में छेद हो जाने से पानी की सप्लाई ठीक से नहीं हो पा रही है, जिससे ग्रामीणों को पानी के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता है

क्या है समाधान?

पानी टंकी में लगे पाईप की खराबी को जल्द से जल्द ठीक किया जाना चाहिए। प्रशासन को चाहिए कि वह ग्रामीणों की समस्या को समझे और जल्द से जल्द पाईप लाईन में हुए छेद की मरम्मत कराए। साथ ही, प्रशासन को चाहिए कि वह ग्रामीणों को स्वच्छ और सुरक्षित पानी मुहैया कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए। ताकि लोगों को जरुरत को पूरा करने पानी मिल सके।

सिद्धपीठ खेड़ापति हनुमान मंदिर में उन्नीसवां पाटोत्सव मनाया

विविध आयोजनों में सैकड़ों भक्त शामिल हुए।

कवर्धा (समय दर्शन)छ। प्राचीन सिद्धपीठ श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर में 12 अप्रैल रविवार को पाटोत्सव मनाया गया। इस दिन विधि विधान के साथ पूजन-पाठ और होम हवन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु और भक्तजन शामिल होकर पुण्यलाभ लिए।

हनुमान मंदिर के पुजारी पंडित चंद्रकिरण तिवारी ने बताया कि अत्यधिक प्राचीन सिद्ध पीठ श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर जीर्ण शीर्ण होने के बाद उसका जीर्णोद्धार कराया गया। मंदिर निर्माण के बाद मंदिर में बैसाख कृष्णपक्ष दशमी 25 अप्रैल को कलश स्थापना की गई और एक सप्ताह तक आध्यात्मिक उत्सव मनाया गया। इस दौरान जगतगुरू शंकराचार्य स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती महाराज जी द्वारा कुम्भभिषेक यज्ञ भी किया गया था। यह आध्यात्मिक आयोजन 30 अप्रैल तक चलता रहा और सातवें दिन लंगर, भंडारा व कन्याभोज के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। बैसाख कृष्णपक्ष दशमी तिथि को प्रतिवर्ष पाटोत्सव के रूप में मनाया जाता है।

संकट कटै मिटै सब पीरा, जो सुमिरै हनुमत बलबीरा- खेड़ापति हनुमान मंदिर के पुजारी श्री तिवारी ने बताया कि पाटोत्सव में हमारे आराध्य हनुमान दादा की पूजा अर्चना और होम हवन किया गया। उन्होने कहा कि संकट कटै मिटै सब पीरा, जो सुमिरै हनुमत बलबीरा। अर्थात हनुमान जी पूजा अर्चना या सच्चे मन से केवल याद करने से ही मनुष्य को सभी प्रकार के दुख-दर्द और संकट से मुक्ति मिल जाती है। इसी भावना के साथ सुबह से ही सैकड़ों लोग मंदिर पहुंच गए और पूजा-पाठ के साथ हवन कार्यक्रम में शामिल होकर पुण्यलाभ अर्जित किया।

सारंगढ़ के जंगलों में भीषण आग: बेखबर रहा वन विभाग, सैकड़ों कीमती पौधे जलकर राख

सारंगढ़-बिलाईगढ़ टारजन महेश (समय दर्शन)जिले के वन क्षेत्रों में सुरक्षा और मुस्तैदी के सरकारी दावों की पोल एक बार फ्रि खुल गई है। सारंगढ़ जिला मुख्यालय से महज 10 से 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित सोडिका बीट के जंगलों में भीषण आग लगने की घटना सामने आई है। इस आगजनी में वन विभाग की बड़ी लापरवाही उजागर हुई है, जहां घंटों तक विभाग को इसकी भनक तक नहीं लगी और देखते ही देखते सैकड़ों नन्हे और बेशकीमती पौधे जलकर खाक हो गए।

धूं-धूं कर जल उठा सोडिका बीट- मिली जानकारी के अनुसार, सोडिका बीट के जंगलों में अचानक आग लग गई। शुष्क मौसम और तेज हवाओं के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि जंगल का एक बड़ा हिस्सा इसकी चपेट में आ गया।

विभाग की 'बेखबरी' पर उठे सवाल- हैरानी की बात यह है कि थोड़े दूरी में सोडिका बीट कक्ष और बेरियर से इतनी कम दूरी पर होने के बावजूद वन विभाग को इस आग की सूचना काफी देरी से मिली। जब तक जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी हरकत में आते, तब तक आग काफी फैल चुकी थी। आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, लेकिन समय रहते सूचना तंत्र का फेल होना विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवालिया निशान लगा रहा है।

प्रकृति और राजस्व का बड़ा नुकसान- इस आगजनी में सबसे ज्यादा नुकसान उन नए पौधों को हुआ है, जिन्हें विभाग ने वृक्षारोपण अभियान के तहत लाखों रुपये खर्च कर लगाया था। सैकड़ों नए और पुराने पौधे पूरी तरह जल गए हैं। ?वन संपदा को भारी क्षति पहुंची है।

वन विभाग के बीट गार्ड और मैदानी अमला मुख्यालय से नदारद रहे है, एक फायर वचार के द्वारा आग बुझाने की कोशिश किया जा रहा था आग चारो दिशा में लागी हुई थी क्या आग बुझा पाना संभव है । अगर समय रहते फायर लाइन की सफाई की गई होती या सूचना तंत्र सक्रिय होता, तो इतने बड़े नुकसान को रोका जा सकता था।

राख हो चुके सैकड़ों पौधे विभाग की लापरवाही की गवाही दे रहे हैं। अब देखना यह होगा कि क्या उच्च अधिकारी इस कोताही पर संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई करते हैं या नहीं।

गरियाबंद में अवैध निर्माण का खेल बेखौफ : बिजली कनेक्शन के लिए बांटे जा रहे अनापत्ति प्रमाणपत्र,नगरपालिका की आय पर भारी चोट

ठेके के कर्मचारियों की मिलीभगत से बिना अनुमति बन रहे मकान, नियमों की खुलेआम अनदेखी–नगरपालिका को करोड़ो का नुकसान

गरियाबंद। नगर में इन दिनों अवैध मकान निर्माण का खेल जोरों पर है। बिना किसी वैध अनुमति और नक्शा पास कराए धड़ल्ले से मकान खड़े किए जा रहे हैं, वहीं सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि नगरपालिका के कुछ ठेके के कर्मचारी ही इन अवैध निर्माणकर्ताओं को बिजली कनेक्शन के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र (NOC) जारी कर रहे हैं। इस पूरे मामले ने न सिर्फ नियम-कायदों की धज्जियां उड़ा दी हैं, बल्कि नगरपालिका की आय को भी सीधा नुकसान पहुंचा रहा है। साथ ही इन अवैध निर्माण की टैक्स रसीद भी जारी की जा रही है।

अवैध निर्माण से बिगड़ रही शहर की सूरत,,,,नगर में बिना प्लानिंग और नियमों के विपरीत मकान बनाए जा रहे हैं। ना तो भवन अनुज्ञा ली जा रही है और ना ही निर्धारित मानकों का पालन हो रहा है। रोड, नाली, बिजली खम्बो के लिए पर्याप्त जगह नहीं छोडी जा रही. इससे शहर की सुव्यवस्थित विकास योजना पूरी तरह चरमरा रही है,और मकान निर्माण के एवज में नगरपालिका को होने वाली आय खत्म होती जा रही है। जिससे कर्मचारियो के वेतन के लाले पड रहे है।

बिजली कनेक्शन के लिए खेला जा रहा NOC गेम- सूत्रों के मुताबिक, नगरपालिका के कुछ कर्मचारी अवैध मकान बनाने वालों को अनापत्ति प्रमाणपत्र देकर बिजली कनेक्शन दिलाने में मदद कर रहे हैं। जबकि नियम के अनुसार बिना वैध भवन अनुज्ञा के टैक्स की रसीद नहीं मिलनी चाहिए । इस प्रक्रिया में मोटी लेन-देन की भी चर्चा जोरों पर है,जिससे पूरे सिस्टम की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

नगरपालिका की आय को लग रहा चूना,,,,,,,जब मकान बिना अनुमति के धड़ल्ले से,बनते हैं तो भवन अनुज्ञा शुल्क,टैक्स और अन्य राजस्व से नगरपालिका को मिलने वाली आय सीधे प्रभावित होती है। अनुमान है कि इस अवैध खेल से हर साल लाखों रुपये का नुकसान नगरपालिका को हो रहा है।

जिम्मेदार अधिकारी मौन, कार्रवाई पर सवाल,,,,,सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर यह सब नगरपालिका के जिम्मेदार अधिकारियों की नजर से कैसे बच रहा है? क्या यह लापरवाही है या फ्रि जानबूझकर आंखें मूंदी जा रही हैं? अब तक इस मामले में किसी भी प्रकार की ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है।

बिना अनुमति भवन निर्माण करना छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम के तहत अवैध है। ऐसे निर्माण पर जुर्माना,तोड़फोड़ (डिमोलिशन) और कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है।बिना वैध दस्तावेज के NOC जारी करना भी विभागीय अपराध की श्रेणी में आता है।

नगर के बुद्धिजीवि वर्ग में नाराजगी जाहिर की ,जांच की मांग तेज,,,,,,,,,इस पूरे मामले को लेकर स्थानीय बुद्धिजीवि वर्ग मे भारी आक्रोश है।लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही इस पर अवैध निर्माण सहित अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई नहीं हुई, तो नगर का विकास पूरी तरह अव्यवस्थित हो जाएगा। गरियाबंद नगर में अवैध निर्माण, अवैध प्लाटिंग और NOC के इस खेल ने सिस्टम की पारदर्शिता और जवाबदेही पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस पर कब और कैसे कार्रवाई करता है, या फ्रि यह खेल यूं ही चलता रहेगा।

अंबेडकर जयंती को लेकर भाजपा की बड़ी तैयारी, जिला कार्यालय में अहम बैठक संपन

स्थापना दिवस और अंबेडकर जयंती पर भाजपा का फोकस, बैठक में बनी खास योजना

भारतीय जनता पार्टी अ.जा.मोर्चा
जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ (छ.ग.)

सारंगढ़-बिलाईगढ़:- जिला भाजपा कार्यालय में आज अनुसूचित जाति मोर्चा की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती मनाने की रूपरेखा तैयार की गई तथा पार्टी के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों की समीक्षा भी की गई।

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव एवं प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा डॉ. सनम जांगड़े के निर्देशानुसार आगामी कार्यक्रमों को सफ्ल बनाने के लिए रणनीति बनाई गई।

इस अवसर पर संभाग प्रभारी ओमेश भेकर, प्रदेश प्रवक्ता भाजपा बेदराम जांगड़े , प्रदेश महामंत्री अनुसूचित जाति मोर्चा हरिनाथ खुटे , संभाग सह प्रभारी अनिल सोनवानी , जिला प्रभारी रामशंकर बंजारे , डॉ. दिनेश लाल , युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष हितेश अजगल्ले , जिला सह प्रभारी सुरेंद्र बघेल , महिला प्रमुख सावित्री अजगल्ले , कार्यालय प्रभारी राजेश बारते , जिला अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा देवेंद्र रात्रे , महामंत्री सुदर्शन चौहान , टाइगर कुर्रे सहित मोर्चा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सोलह प्रहरी हरिनाम यज्ञ में शामिल हुए जनपद सभापति प्रकाश सिन्हा

कुदारीबाहरा में आयोजित संकीर्तन में ग्रामीणों संग बैठक कर किया प्रसाद ग्रहण

बसना (समय दर्शन)। बसना छत्तीसगढ़-उड़ीसा सीमावर्ती क्षेत्र के ग्राम कुदारीबाहरा में महाराज सदन तिवारी (कोमना, उड़ीसा) के सान्निध्य में ग्रामवासियों, वैष्णव देवी मंदिर समिति एवं शिव मंदिर समिति के सहयोग से सोलह प्रहरी हरिनाम संकीर्तन यज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्रभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

इसी तारतम्य में बसना टिकरापारा में आयोजित हरिनाम संकीर्तन में भाग लेकर विधिवत पूजन कर क्षेत्र वासियों की शुख समृद्धि की कामना की।

कार्यक्रम में जनपद पंचायत बसना के सभापति प्रकाश सिन्हा एवं जनपद सदस्य प्रतिनिधि शशिकांत साव मुख्य रूप से उपस्थित रहे। ग्राम प्रमुख एवं सरपंचों द्वारा अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया।

तत्पश्चात श्री सिन्हा ने पूजन-दर्शन कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान हरिनाम संकीर्तन, भजन-कीर्तन एवं विविध धार्मिक अनुष्ठानों ने श्रद्धालुओं को भक्ति में सराबोर कर दिया।

साथ ही सभापति श्री सिन्हा ने ग्रामवासियों के साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया, जिससे सामाजिक समरसता एवं भाईचारे का संदेश प्रसारित हुआ। उन्होंने ग्रामवासियों से आत्मीय संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी भी ली।

इस अवसर पर श्री सिन्हा ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन हमारी सनातन संस्कृति को सशक्त बनाने के साथ-साथ समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने आयोजन समिति एवं ग्रामवासियों को सफ्ल आयोजन हेतु बधाई दी।

कार्यक्रम में क्षेत्र के सरपंच प्रफुल्ल साहू, गुलाब साहू, गोपीचंद साहू एवं गोपेश डड़सेना, दिनेश डड़सेना,डा.गिरधारी डड़सेना,भगवान दास, राकेश डड़सेना सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। अंत में आयोजकों द्वारा सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

संक्षिप्त-खबर

भाजपा का गांव चलो अभियान, घर घर जा रहे कार्यकर्ता, भाजपा सरकार की योजनाओं का कर रहे बखान

पाटन। गांव चलो, घर चलो अभियान के तहत आज ग्राम – रानीतराई (पाटन) में ग्रामीणजनों से आत्मीय मुलाकात कर संवाद किया एवं सभी का कुशलक्षेम जाना। इस अवसर पर डबल इंजन सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, प्रधानमंत्री आवास, महतारी वंदन, राशन, पेंशन एवं अन्य योजनाओं की जानकारी देते हुए सभी से चर्चा किया व स्कूल का निरीक्षण कर जायजा लिया व विद्यार्थियों से चर्चा किया। गांव, गरीब, किसान और हर जरूरतमंद तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही हमारा संकल्प है। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले, सभापति श्री केवल देवांगन, सभापति श्री देवेन्द्र ठाकुर सहित भाजपा नेता श्री हिमांचल साहू जी, पदाधिकारी व कार्यकर्ता साथी उपस्थित रहे।

आप से संजय सिंह का मोह भंग, पार्टी से दिया इस्तीफा

दुर्ग। आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ के संयुक्त सचिव एवं पाटन विस प्रभारी संजय सिंह ने शनिवार को पार्टी के सभी पदों और प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होने इस्तीफे की वजह पार्टी में वैचारिक कारणों को बताया है। इस आशय का पत्र उन्होने पार्टी के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष व महासचिव को प्रेषित कर अपने इस्तीफे की सूचना दे दी है। युवा नेता संजय सिंह पूर्व में आम आदमी पार्टी के दुर्ग जिला अध्यक्ष पद को भी सुशोभित कर चुके है। जिलाध्यक्ष के पद पर रहते हुए उन्होने संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। जिसकी वजह से पार्टी में उनका कद भी बढ़ा था और उन्हें छत्तीसगढ़ प्रदेश कार्यकारिणी में संयुक्त सचिव जैसे बड़े ओहदे में बिठाकर महत्वपूर्ण जवाबदारी दी गई थी। बता दें कि युवा नेता संजय सिंह ने पूर्व में कांग्रेस पार्टी से नाता तोड़कर आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी। अब उन्होने आम आदमी पार्टी की सदस्यता भी छोड़ दी है। आप से इस्तीफे के बाद वे किस राजनीतिक पार्टी में प्रवेश करेंगे, फिलहाल उन्होने इसका कुछ खुलासा नहीं किया है।

अकतई में खेत में भीषण आग, दमकल की देरी से बढ़ी परेशानी

पाटन। ग्राम पंचायत अकतई में आज दोपहर करीब 2:53 बजे अचानक खेत (परावत) में आग लग गई। आग किसान गंगाधर साहू के खेत में लगी, जो देखते ही देखते फैलने लगी और ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। घटना के समय पाटन में फायर ब्रिगेड की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण दुर्ग से दमकल वाहन बुलाना पड़ा। दमकल की गाड़ी करीब एक घंटे की देरी से मौके पर पहुंची, तब तक किसान और ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया॥ ग्रामीणों ने खेतों में उपयोग होने वाले स्प्रे पंप और अन्य संसाधनों की मदद से आग पर काबू पाने की कोशिश की। आग को नियंत्रित करने में उन्हें काफी मशक्कत करनी पड़ी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जनपद पंचायत पाटन में ही फायर ब्रिगेड की सुविधा उपलब्ध होती, तो आग पर समय रहते काबू पाया जा सकता था और नुकसान को कम किया जा सकता था।

पाटन में 14 अप्रैल को मनाई जाएगी संत शिरोमणि सेनजी महाराज की जयंती

पाटन। विकासखंड पाटन में सर्व सेन समाज ब्लाक पाटन के तत्वावधान में 14 अप्रैल 2026, मंगलवार को संत शिरोमणि सेनजी महाराज की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई जाएगी। यह आयोजन पाटन के इंडोर स्टेडियम में आयोजित होगा, जिसमें समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल होंगे। सेन समाज के पदाधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि संत शिरोमणि सेनजी महाराज को समाज के इष्ट देवता के रूप में पूजा जाता है। उनके जीवन एवं विचारों से समाज को प्रेरणा मिलती है, इसलिए हर वर्ष उनकी जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है। कार्यक्रम की शुरुआत प्रात: 9:00 बजे भव्य कलश यात्रा के साथ होगी, जिसमें महिलाएं एवं समाज के सदस्य पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होंगे। इसके पश्चात विधिवत पूजा-अर्चना कर संत शिरोमणि सेनजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। आयोजन के दौरान धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम भी संपन्न किए जाएंगे।

पिथौरा में आयोजित नाइट क्रिकेट प्रतियोगिता में ग्रीन टीम ने जीता प्रथम पुरस्कार

टूर्नामेंट में सभी ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया

खिलाड़ियों में रहा खासा उत्साह

पिथौरा (समय दर्शन)। पिथौरा क्रिकेट लीग के तत्वाधान में 4 अप्रैल से आयोजित पीसीएल नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन 10 अप्रैल को शहीद भगत सिंह खेल मैदान में आयोजित किया गया।समापन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि श्रीमती हेमलता निषाद पार्षद, कार्यक्रम अध्यक्षता गौरव चंद्राकर डायरेक्टर संस्कार शिक्षण संस्थान पिथौरा, विशिष्ट अतिथि राजा बाबू उपाध्यक्ष पत्रकार, खिलेश्वरी यादव मुख्य रूप से मौजूद थे। फाइनल मुकाबले में ग्रीन और ब्लू टीम के बीच मुकाबला हुआ। क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजन समिति के कौशल दास मानिकपुरी ने बताया

टूर्नामेंट पिछले 10 दिनों से जारी था। जिसमें जिले भर के चार टीमों ने कुल सात मैच खेला गया।फाइनल मुकाबले में ग्रीन टीम विजेता रही

विजेता टीम को 31 हजार का नगद पुरुस्कार और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। टूर्नामेंट में सभी ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और खिलाड़ियों में खासा उत्साह रहा।समापन समारोह में मुख्य रूप से उपस्थित हेमलता निषाद ,गौरव चंद्राकर अन्य अतिथियों ने खिलाड़ियों से भेंट किए और आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि खेलों से शारीरिक और मानसिक विकास होता है। खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए। पिथौरा जैसे छोटे से क्षेत्रों में ऐसे आयोजनों से खेलों को बढ़ावा मिलता है। जिसमे खिलाड़ियों में खेलों के प्रति जागरूकता आती है। इस मौके आयोजक समिति से कौशल दास मानिकपुरी,सुरेश ठाकुर शैलेंद्र सिन्हा,चिरंजीव सिन्हा,अविनाश पटेल ,रोमन साहू, राजेश चौधरी,दिनेश साहू,रमेश श्रीवास्तव सहित सैकड़ों क्रिकेट प्रेमी उपस्थित रहे।

महिदही में 'अंगना म शिक्षा' कार्यक्रम संपन्न; माताओं ने सीखा बच्चों को गढ़ने का हुनर

साजा (समय दर्शन)। बच्चों की नींव मजबूत करने और प्रारंभिक शिक्षा में माताओं की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शासकीय प्राथमिक शाला महिदही में 'अंगना म शिक्षा' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा पहली और दूसरी के नन्हे विद्यार्थियों की माताओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया, जहाँ उन्हें घर के आंगन को ही पाठशाला बनाने के गुर सिखाए गए।

खेल-खेल में शिक्षा का मिला प्रशिक्षण- कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के शिक्षकों द्वारा माताओं को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। बच्चों को बताया गया कि घर के दैनिक कामकाज पूरा करने के बाद भी वे किस प्रकार बच्चों को खेल-खेल में अंक ज्ञान, वर्णमाला की पहचान और बुनियादी भाषाई कौशल सीखा सकती हैं।

कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिए विद्यालय परिसर में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया:

सीखने के कोने : विभिन्न स्टालों के माध्यम से माताओं को बच्चों के वर्तमान शैक्षणिक स्तर को जांचने और सुधारने के तरीकों की जानकारी दी गई। माताओं ने न केवल शिक्षा की बारीकियों को समझा, बल्कि स्वयं गतिविधियों में शामिल होकर यह संकल्प लिया कि वे बच्चों के विकास में शिक्षकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगी। शिक्षकों ने प्रत्येक माता से चर्चा कर उनके बच्चे की विशिष्ट रुचि और प्रगति साझा की।

माँ ही है पहली शिक्षक - शाला के प्रधान पाठक कौशल प्रसाद साहू ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि माँ बच्चे की प्रथम गुरु होती है। 'अंगना म शिक्षा' अभियान के माध्यम से हमारा प्रयास घर और स्कूल के बीच के फासले को कम करना है। जब घर का आंगन पाठशाला बनेगा, तब बच्चों का सर्वांगीण विकास और भी तेजी से होगा।

टीम की सहभागिता- कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक अशोक कुमार धुर्वे, गजानंद वैष्णव, महेश्वर प्रसाद श्रीवास,जानकी ठाकुर एवं हेमलता साहू का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित माताओं का आभार व्यक्त किया गया। इस आयोजन से न केवल पालकों और शिक्षकों के बीच संवाद बढ़ा है, बल्कि ग्रामीण स्तर पर शिक्षा के प्रति एक नई जागरूकता की लहर देखी गई है।

हर घर हनुमान चलीसा अभियान, जिले के 2 लाख घरो तक जायेगा राष्ट्रीय बजरंग दल –महेंद्र साव

बसना (समय दर्शन)। हर घर हनुमान चालीसा सहित प्रत्येक गाँव मे हनुमान चालीसा केंद्र बनाकर हिन्दुओ के हितो की चिंता करते हुये राष्ट्रीय बजरंग दल जिले के 2 लाख घरो मे हनुमान चालीसा का वितरण करने की योजना बना कर हर गांव हनुमान चालीसा केंद्र बनाने के लिये महासमुंद जिले के 4 सौ पंचायतो तक गांव गांव पहुंचने कार्यकर्ता की बैठक कर योजना बना रही हैं । महासमुंद जिले के सभी 5 विकासखंडो मे नये पदाधिकारी बनाने व नये दायित्वों की घोषणा करने की तैयारी को लेकर प्रांत संगठन मंत्री राहुल वाड़ीवा का बसना नगर आगमन हुआ जहाँ पर सैकड़ो कार्यकर्ताओ को उनका मार्गदर्शन मिला उक्त बैठक मे प्रांत सह संगठन मंत्री गौरीशंकर भलावी प्रांत महामंत्री महेंद्र साव जिला अध्यक्ष मोहन सोनवानी सहित सैंकड़ो कर्यकर्ता उपस्थित रहे।

बूथ कमेटी शीघ्र बनाकर कार्यकता कांग्रेस के रीति-नीति सिद्धांतों को आम जनता तक पहुंचाएं- सीमा वर्मा

मध्य ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुर्ग की बैठक

दुर्ग। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी की महामंत्री एवं ध्रुव शहर जिला की प्रभारी श्रीमती सीमा वर्मा आज मध्य ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुर्ग के पदाधिकारी मंडल पदाधिकारी वार्ड अध्यक्षों की आवश्यक बैठक आवश्यक बैठक ली इस बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल,पूर्व विधायक अरुण वोरा,प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री राजेंद्र साहू,दीपक दुबे,पूर्व महापौर श्री आर एन वर्मा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विमलचंद जैन, छाया महापौर श्रीमती प्रेमलता साहू, ब्लॉक प्रभारी संजय बत्रा,अय्युब खान विशेष रूप से उपस्थित थे।

सर्वप्रथम श्रीमती सीमा वर्मा ने ब्लॉक के पदाधिकारी एवं मंडल के पदाधिकारी के कार्यो की समीक्षा की और कहा कि आप सभी अपने कार्यों को पूरी निष्ठा के साथ काम करें और पार्टी को आगे बढ़ाएं और कहा कि बुथ कमेटी शीघ्र बनाकर कांग्रेस के रीति नीति सिद्धांतों को आम जनता तक पहुंचाने का काम कांग्रेस के कार्यकर्ता करें उन्होंने कहा कांग्रेस के कार्यकर्ता कांग्रेस की रीड़ है हमें एक जुटता से कार्य करते हुए आगे बढ़ाना है। बैठक में पूर्व विधायक अरुण वोरा, जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री राजेंद्र साहू, दीपक दुबे ने अपने विचार रखते हुए कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम का संचालन अजय शर्मा एवं आभाव प्रदर्शन मध्य ब्लॉक के अध्यक्ष अलताफ अहमद ने किया।

बैठक में रायसिंह ढिकोला,अब्दुल गनी,पार्षद अश्विनी निषाद,पूर्व पार्षद अशोक मेहरा,नजहत परवीन,शकुन ढीमर,सुरेन्द्र सिंह राजपूत, जगमोहन ढीमर,खोरबाहरा निषाद,महिला कांग्रेस अध्यक्ष कन्या ढीमर,मंडल अध्यक्ष हेमंत तिवारी,राजकुमार वर्मा, भूपेंद्र सेन,गणेश सोनी,अब्दुल वाहिद चौहान,निकिता मिलिंद,मीना पाल, सरिता ताम्रकार,मीना मानिकपुरी, रामरतन जलतारे,बरसाती मटियारा, चंद्रशेखर पारख,खुर्शीद अहमद,नीलू जेम्स,अनूप वर्मा,ज्ञानू बागडे,गौरव उमरे,चिराग शर्मा,आयुष शर्मा, चंद्रप्रकाश जैन,मनोज सिन्हा, अभिनव बघेल,अनिल देशमुख,नरेंद्र सोनकर,अली असगर,प्रकाश शिवणकर,अकरम सौदागर,मुक्ती मसीह,श्रीमती नीता कश्यप,श्रीमती ममता गुप्ता,रवि कोसरिया,शेख नईम,छोटेलाल यादव,बिंदु राजपूत,डोमार सिंह राजपूत,संतोष ढीमर,राजकुमार शर्मा,युसूफ खान,जीतू निषाद,लल्लू राम साहू, कपिल निषाद,द्वारका ठाकुर,केडी देवांगन,इशांत शर्मा,यश बाकलीवाल, थानेश्वर साहू,रूपलाल मरकाम,संजय ताम्रकार,बलवीर साहू,ईश्वर साहू, जीतू निषाद,नरेंद्र पटेल,हितेश सेन, संगीता पात्रे,पुष्पा साहू,संगीता नागरे, उषा जांगड़े, राजेश्वरी साहू,धनंजय निषाद,पवन साहू,मोहम्मद अख्तर, श्रीमती चुन्नी देशमुख,चंदन मटियारा, शोमू मुखर्जी, पुष्पा राजपूत कल्पना सोनी सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सुशासन शिविर में ग्रामीणों को मिला आवासीय भूमि का अधिकार, आबादी पट्टों का वितरण

बसना(समय दर्शन)। बसना व पिथौरा विकास खण्ड के शरहद पर बसा ग्राम मे राजस्व पखवाड़ा के अंतर्गत ग्राम सिरको में आयोजित सुशासन शिविर में ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली। भूस्वामित्व योजना के तहत वर्षों से जिस भूमि पर लोग निवास कर रहे थे, अब उसी भूमि पर उनका अधिकार सुनिश्चित करते हुए आबादी भूमि के अधिकार अभिलेख (पट्टा) प्रदान किए गए। शिविर में पटवारी सावित्री सेवई एवं सरपंच फागूलाल नेताम द्वारा संयुक्त रूप से भूस्वामित्व पट्टा वितरण किया गया। दोनों जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों के समक्ष हितग्राहियों को पट्टा सौंपते हुए योजना की जानकारी भी दी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। इस पहल से ग्रामीणों में खुशी का माहौल देखने को मिला, क्योंकि अब उन्हें अपने ही घर पर कानूनी स्वामित्व प्राप्त हो गया है। इस दौरान जिन हितग्राहियों को आबादी पट्टा प्रदान किया गया, उनमें नंदकुमार साव (पिता ईश्वर), इंद्रजीत (पिता करमु), फूलसांय (पिता जेठू), राजकुमार (पिता मायाराम) एवं भोला (पिता जगदीश) शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि भूस्वामित्व योजना का उद्देश्य ग्रामीणों को उनकी आबादी भूमि पर कानूनी अधिकार प्रदान करना है, जिससे वे शासकीय योजनाओं का लाभ आसानी से ले सकें और भविष्य में किसी प्रकार के विवाद से बचा जा सके। ग्रामीणों ने शासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि अब उन्हें अपने घर पर अधिकार मिलने से सुरक्षा और आत्मविश्वास दोनों मिला है।

न्याय की उम्मीद ,आंसुओं से मुस्कान तक का सफर पीड़ित परिवार ने बयां किया अपनो से बिछड़ने का दर्द

साजा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के प्रवासी मजदूर स्व. रामनारायण बघेल सक्ती जिले के जैजैपुर तहसील थाना बिर्रा ग्राम करही के निवासी थे जो रोजी रोटी कमाने गया हुआ था जिसकी हत्या केरल प्रदेश के वालेयर थाना क्षेत्र अट्टापलम में बांग्लादेशी समझ के वहां के लोगों द्वारा मॉब ब्लीचिंग कर हत्या कर दिए थे जिसकी सूचना केरल पुलिस ने परिजन व परिवार के चचेरे भाई शशिकांत बघेल को दिया जो वर्तमान में वही काम करता था उनको सूचना मिलने के दौरान त्रिसूर मेडिकल कॉलेज मे पोस्टमार्टम और शव को शिनाख्त किया गया उसी दौरान एक सोशल मीडिया में एक वीडियो मिला जिसमें मृतक रामनारायण बघेल को बांग्लादेशी बोलकर पीटा जा रहा है इस वीडियो के आधार पर गहराई से पूछताछ करने पर पता चला कि भीड़ के द्वारा अधिक मार के कारण रामनारायण की मृत्यु हुआ है उसके बाद पीड़ित की पत्नी ललिता बघेल और उसके दोनों बच्चे केरल पहुंचे जहां मृतक के भाई शशिकांत बघेल और केरल के साथी अब्दुल जब्बार के द्वारा एक्शन काउंसिल कमेटी केरल और अन्य संगठन के माध्यम से केरल सरकार से पीड़ित परिवार के लिए उचित मुआवजा और आरोपियों के ऊपर उचित कार्यवाही करने की मांग किया गया था जिसको केरल सरकार ने पूरा करने के आश्वाशन दिया और एक महीने के भीतर मुआवजा राशि को पीड़ित परिवार के वारिसान के खातों में ट्रांसफर कर अपनी संवेदनशीलता की परिचय दिया इस दुख के घड़ी में केरल सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार ने पीड़ित परिवार के साथ अपनी संवेदनाएं व्यक्त किए

इस पूरी घटना क्रम में शशिकांत बघेल व एक्शन काउंसिल कमेटी त्रिसूर , वहां के पत्रकारों, केरल सरकार और केरल के आमजनता का सराहनीय योगदान रहा। इस दुख की घड़ी में छत्तीसगढ़ में भी प्रशासनिक अधिकारी, पत्रकारों,ग्राम करही और परिवार के लोग इस कठिन समय पर पीड़िता के साथ खड़े रहे, और आगे भी इस संघर्ष में साथ है।

> अभी तक छत्तीसगढ़ सरकार के द्वार घोषित मुआवजा राशि पांच लाख रुपए नहीं मिला है 4 महीने होने को है मै सरकार से निवेदन करता हु कि अपना किए घोषणा के अनुसर पीड़ित परिवार के खाते में मुआवजा राशि ट्रांसफर कर अपनी संवेदनशीलता का परिचय दे
>
> **शशिकांत बघेल**

> दुख की घड़ी में मेरे परिवार ग्रामवासी, छत्तीसगढ़ सरकार, एक्शन काउंसिल कमेटी केरल, केरल सरकार, केरल वासी सहित सभी पत्रकारों का मै आभारी हु जो हमें न्याय दिलाने में अपना योगदान दिए।
>
> **ललिता बघेल स्व. राम नारायण बघेल की पत्नी**

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26